आई एस ओ.9001 2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 16 अंक 256- ● जबलपुर ● बुधवार, 19 अक्टूबर, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक मास कृष्ण पक्ष-10 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

शोपियां एनकाउंटर में मारा गया हाइब्रिड आतंकी इमरान बशीर

श्रीनगर, ईएमएस। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में एक ग्रेनेड हमले में दो मजदूरों की मौत के बाद गिरफ्तार किया गया एक हाइब्रिड आतंकवादी इमरान बशीर भी मारा गया है। बशीर की मौत एनकाउंटर के दौरान अपनी साथी की गोली लगने से हुई है। शोपियां के नौगाम इलाके में आम नागरिकों की हत्या के बाद आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई।

कश्मीरी जर्नलिस्ट को दिल्ली एयरपोर्ट पर दूसरी बार रोका

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलित्जर पुरस्कार विजेता और कश्मीरी फोटो जर्नलिस्ट सना इरशाद मट्टू को मंगलवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर रोक दिया गया। जर्नलिस्ट सना इरशाद पुलित्जर पुरस्कार लेने न्यूयॉर्क जा रही थीं। उन्होंने कहा कि वैलिड यूएस वीजा और टिकट होने के बावजूद दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल (द्धत्तद्ध) एयरपोर्ट पर रोका गया। ये दूसरी बार है जब उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर रोक गया है।

गांधीनगर में स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की लॉन्चिंग क्लास में बच्चों के साथ बैठे दिखे पीएम

गांधीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19-20 अक्टूबर तक गुजरात के दौरे पर हैं। दौरे की शुरुआत पीएम मोदी ने महात्मा मंदिर, गांधीनगर में Def Expo22 का उद्घाटन से की। इसके बाद अडालज में मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ किया। इस दौरान पीएम मोदी स्कूल में बच्चों संग क्लासरूम में बैठे दिखे। जब पीएम मोदी का काफिला स्कूल पहुंचा तो प्रधानमंत्री का फूल बरसा कर स्वागत किया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अब शिक्षा व्यवस्था स्मार्ट हुई है और गुजरात की शिक्षा व्यवस्था सुधरी है। मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ करने के बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि बीते दो दशक में गुजरात में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। 20 साल पहले 100 में से 20 बच्चे स्कूल ही नहीं जाते थे। यानी पांचवां हिस्सा शिक्षा से बाहर रह जाता था। जो बच्चे स्कूल जाते थे, उनमें से बहुत सारे आठवीं तक पहुंचते ही स्कूल छोड़ देते थे. उसमें भी दुर्भाग्य यह था कि बेटियों की स्थिति तो और खराब थी. पहले बेटियों को स्कूल नहीं भेजा जाता था।

गांधीनगर में डिफेंस एक्सपो-22 का उद्घाटन किया

इससे पहले पीएम ने गांधीनगर में डिफेंस एक्सपो-22 का उद्घाटन किया। साथ ही उत्तरी गुजरात के दीसा में वायु सेना की 52वीं विंग के नए एयरबेस की आधारशिला रखी। उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि ये देश का ऐसा पहला डिफेंस एक्सपो है जिसमें केवल भारतीय कंपनियां ही भाग ले रही हैं। केवल मेड इन इंडिया रक्षा उपकरण ही शामिल हुए हैं। डिफेंस एक्सपो-22 के 12वें एडिशन के दौरान मोदी ने कहा कि डिफेंस फोर्सेस ऐसी 101 चीजों की लिस्ट जारी करेंगे जिनका आयात बैन कर दिया जाएगा। इनके साथ 411 डिफेंस गुड्स केवल लोकल लेवल पर ही खरीदे जा सकेंगे। पीएम ने डिफेंस एक्सपो में ॥ञ्ज्ञ-40 का अनावरण किया। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी HAL ने एयरफोर्स के लिए HTT-40 ट्रेनर एयरक्राफ्ट बनाया है। एयरफोर्स को करीब 106 ट्रेनर एयरक्राफ्ट चाहिए। एयरफोर्स के पास अभी ट्रेनर एयरक्राफ्ट की संख्या 260 है, जबकि स्वीकृत संख्या 388 है। एयरफोर्स के पास ट्रेनर एयरक्राफ्ट के तौर पर 75 एयरक्राफ्ट पीसी-7 मार्क-2 बेसिक ट्रेनर हैं। 86 किरण मार्क-1 और मार्क 1 ए हैं जो इंटमीडिएट जेट ट्रेनर हैं।

24 साल बाद गैर गांधी खड़गे बने अध्यक्ष

खड़गे को मिले 7897 वोट थुरूर को 1072 वोट ही

राहुल बोले, अब मेरा रोल भी खड़गे जी ही तय करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी को 24 साल बाद नया अध्यक्ष मिल गया है। चुनाव में मल्लिकार्जुन खड़गे ने शशि थरूर को करीब सात हजार वोट से हरा दिया है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, खड़गे को 7 हजार 897 वोट मिले। वहीं, शशि थरूर को एक हजार 72 वोट ही मिल सके। 416 वोट रिजेक्ट कर दिए गए। हालांकि, वोटों की गिनती के बीच ही राहुल गांधी ने बता दिया था कि पार्टी का नया अध्यक्ष कौन होगा। भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल ने बुधवार को आंध्र में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान जब मीडिया ने कांग्रेस में उनके भावी रोल पर सवाल किया तो राहुल ने जवाब दिया- खड़गेजी से पूछो, वही तय करेंगे मेरा रोल। हालांकि, इस बयान के कुछ मिनटों बाद ही कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर खड़गे के अध्यक्ष बनने का ऐलान कर दिया। थरूर ने भी ट्वीट कर खड़गे को बधाई दी और अपना साथ देने वालों को धन्यवाद कहा। भारत जोड़ो यात्रा में आंध्र प्रदेश पहुंचे राहुल गांधी ने कहा, च्कांग्रेस अकेली ऐसी पार्टी है, जिसमें इलेक्शन होता है और उसका अपना इलेक्शन कमीशन है। मैंने कांग्रेस इलेक्शन कमेटी के चेयरमैन मधुसूदन मिस्त्री के साथ काम किया। वे काफी स्पष्ट वक्ता हैं। सारे मसले उनकी नजर में लाए गए हैं और वही एक्शन लेंगे। हर कोई कांग्रेस में चुनाव के बारे में पूछता है। मुझे कांग्रेस पर फख्र है, जिसमें ओपन और ट्रांसपेरेंट चुनाव हो रहे हैं। कोई दूसरी पार्टियों के भीतर चुनाव में इंट्रेस्ट क्यों नहीं लेता, चाहे वो भाजपा हो या दूसरी क्षेत्रीय पार्टियां? काउंटिंग के दौरान थरूर के चीफ इलेक्शन कैंपेनर सलमान सोज ने उत्तर प्रदेश, पंजाब और तेलंगाना में वोटिंग से पहले, पोलिंग के दौरान और मतदान के बाद गड़बड़ियों का आरोप लगाया। सोज ने कहा- हमने इस बारे में पार्टी के चुनाव प्रभारी मधुसूदन मिस्त्री को बता दिया है। इस चुनाव में जीत के साथ ही खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाला 65वें नेता बन गए हैं। वे कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले दूसरे दलित नेता हैं। बाबू जगजीवनराम कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले पहले दलित नेता थे। आजादी के बाद 75 साल में से 42 साल तक पार्टी की कमान गांधी परिवार के पास रही। वहीं, 33 साल पार्टी अध्यक्ष की बागडोर गांधी परिवार से अलग नेताओं के पास रही।कांग्रेस में अध्यक्ष पद के लिए आखिरी बार साल 1998 में वोटिंग हुई थी। तब सोनिया गांधी के सामने जितेंद्र प्रसाद थे। सोनिया गांधी को करीब 7,448 वोट मिले, जबकि जितेंद्र प्रसाद 94 वोटों पर ही सिमट गए। सोनिया गांधी के अध्यक्ष बनने के बाद से गांधी परिवार को कभी कोई चुनौती नहीं मिली। इस बार राहुल गांधी के अध्यक्ष बनने से इनकार करने के बाद पार्टी में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने का फैसला लिया गया था।

मुख्यमंत्री ने इंदौर एडीएम को हटाया

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश में बढ़ते अपराधों को देखते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को लॉ एंड ऑर्डर को लेकर महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। जिसमें भोपाल, इंदौर, बैतूल, गुना में हुई घटनाओं का संज्ञान लिया। इस बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर, एसपी और पुलिस कमिश्नर को सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहें। इस बैठक के दौरान सीएम शिवराज ने इंदौर एडीएम पवन जैन को तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि एडीएम में जनसुनवाई के दौरान दिग्वयांग के साथ संवेदनहीन रवैया रखा। सीएम ने पवन जैन को वल्लभ भवन में पदस्थ करने के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार कलेक्टर ऑफिस में सुनवाई में सोनू पाठक नामक दिव्यांग पुहंचा था और वो अपने दादाजी का मकान अपने नाम कराने के लिए चक्कर काट रहा था। जनसुनवाई में पवन जैन के सामने पहुंचे उन्होंने अपने कागज और मोबाइल टेबल रखा तभी उसका मोबाइल खुल गया और उसका एक हिस्सा उछलकर पवन जैन के मुंह पर लग गया था। जिसके बाद एडीएम जैन ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और अपशब्दों का प्रयोग किया। गार्डों ने भी सोनू को कक्ष के बाहर कर दिया था। इस घटनाक्रम की जानकारी मिलने के बाद सीएम शिवराज ने कहा कि अफसरों का ऐसा रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।वहीं भोपाल में भी एक अजीबोगरीब मामला सामने आया था। जहां कोहेफिजा इलाके की एक महिला ने अपने पति पर 50 लाख रुपए दहेज नहीं देने पर वाइफ स्वैपिंग करने को लेकर एफआईआर कराई। पीड़िता की शादी जून 2022 में बीकानेर के फाइव स्टार होटल के मैनेजर से हुई थी। मैनेजर पत्नी पर घर बनाने के लिए 50 लाख रुपये लाने के लिए दबाव बना रहा था।

हनीट्रैप मामले में अब ED का हस्तक्षेप

14 को भेजा नोटिस, रडार पर कई बड़े नेता और अधिकारी

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश का बहुचर्चित हनीट्रैप मामला काफी सुर्खियों में रहा है। ऐस में हनीट्रैप में पहली बार केंद्रीय जांच एजेंसी ने दखल दी है। अब ईडी ने हनीट्रैप मामले की जांच शुरू कर दी है। ईडी ने हनीट्रैप से जुड़े 14 लोगों को नोटिस जारी किया है। और अब उनसे दिल्ली में पूछताछ की जाएगी।जानकारी के अनुसार ईडी ने मामले में आरोपी रही श्वेता जैन, आरती दयाल, श्वेता स्वपनिल जैन, बरखा भटनागर समेत अन्य लोगों को नोटिस भेजा है। और इन सभी को अलग अलग तारीखों में पूछताछ के लिए दिल्ली मुख्यालय बुलाया गया है। बताया जा रहा है कि ईडी की रडार पर एमपी 40 बड़े अफसर और सफेदपोश नेता हैं, जिनका नाम एसआईटी की जांच में सामने आया था। दरअसल 17 सितंबर को इंदौर जिला नगर निगम में कार्यरत इंजीनियर हरभजन सिंह ने पलासिया थाने में खुद को ब्लैकमेल किए जाने की एफआईआर दर्ज कराई थी। तो उन्हें भी इसका अंदाजा नहीं था कि यह मामला इतना बड़ा बन सकता है। लेकिम अब प्रदेश में फैली हनीट्रैप मामले की कहानियां उजागर होना शुरू हुई हैं। इस एफआईआर में हरभजन सिंह ने दावा किया था कि उन्हें 29 वर्षीय आरती दयाल नाम की एक महिला द्वारा ब्लैकमेल किया जा रहा था।

NCR में फिर निर्भयाकांड

गाजियाबाद् ईएमएस। दिल्ली–एनसीआर में एक बार फिर निर्भयाकांड जैसी वारदात को अंजाम दिया गया है। संपत्ति विवाद में दिल्ली की एक महिला को अगवा किया गया और गाजियाबाद में 2 दिन तक उसके साथ गैंगरेप किया गया। आरोपियों ने अमानवीयता की हदें पार करते हुए पीड़िता के प्राइवेट पार्ट्स में लोहे की रॉड भी डाल दी। महिला की हालत गंभीर है और अस्पताल में भर्ती है। 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गाजियाबाद के नंदग्राम थानाक्षेत्र में वारदात को अंजाम दिया गया। पांच आरोपियों ने दो दिन तक उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। आरोपियों ने महिला के गुप्तांगों में लोहे की रॉड भी डाली। इसके बाद पीड़िता को अधमरी हालत में आश्रम रोड के पास फेंक कर फरार हो गए। यूपी–112 से थाना पुलिस को इसकी सूचना मिली तो पुलिस ने अस्पताल भेजा। पीड़िता का दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में इलाज चल रहा है। एसपी सिटी का कहना है कि महिला दिल्ली के नंदनगरी की रहने वाली है। वह नंदग्राम क्षेत्र में अपने भाई के यहां आई थी। वापस लौटते समय कुछ लोगों ने उन्हें उठा लिया।

पति के सामने अधिकारी ने की पत्नी से शर्मनाक बात

मेरे साथ 2 दिन बिता लो तो नहीं देनी पड़ेगी रिश्वत

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में पदस्थ सहायक खनिज अधिकारी पर रिश्वत मांगने का आरोप लगा। जब महिला 25 हजार रुपये रिश्वत के साथ अधिकारी के पास पहुंची तो अधिकारी ने उससे बड़ी शर्मनाक बात कह डाली। अधिकारी ने कहा कि मेरे साथ 2 दिन बिता लो तो तुम्हें रिश्वत के पैसे नहीं देने पड़ेंगे। इस मामले को लेकर महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। दरअसल मंगलवार को आरोपी खनिज अधिकारी लुणावत की जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। इस मामले में रतलाम न्यायालय की न्यायाधीश ज्योति राठौर ने जेल भेजने के आदेश जारी किया है। महिला ने आरोपी सहायक खनिज अधिकारी के खिलाफ रतलाम में छेड़छाड़ का केस दर्ज कराया था। जिसके बाद रतलाम पुलिस ने आरोपी लुणावत के खिलाफ 19 मई को केस दर्ज किया था। उक्त प्रकरण का चालान मंगलवार को प्रस्तुत होने के बाद जमानत के लिए पहुंचे सहायक खनिज अधिकारी को न्यायाधीश ने आवेदन निरस्त कर जेल भेजने के आदेश जारी कर दिए। जानकारी के अनुसार यह घटना मार्च 2022 की बताई जा रही है। आरोपी लुणावत ने महिला को रिश्वत के 25 हजार रुपए के साथ बुलाया था। इस पर वह रतलाम के एक मंदिर के पास पहुंची थी। इस दौरान महिला पति व बच्चे के साथ कार में थी। वहीं लुणावत ने महिला के पति को पानी की बोतल लेने भेजा। फिर उसके जाते ही महिला को कहा कि मेरे साथ 2 दिन बिता लोगी तो 25 हजार रुपये नहीं लूंगा। बता दें कि आरोपी अधिकारी की इस बात पर महिला रोने लगी। और तभी उसके पति आ गए और कारण पूछा। इस बीच लुणावत ने महिला का हाथ पकड़ा और पीठ थपथपाकर पति को कहा कि तुम्हारी पत्नी को मेरे पास छोडकर चले जाओ तो आगे से पैसे की जरूरत नहीं पड़ेगी। अधिकारी की इस बात को सुनने के बाद ही पति और पत्नी को गुस्सा आ गया और दोनों ही वहां से चले गए थे।

आज़ादी का अमृत महोत्सव
मध्यप्रदेश शासन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डेंगू की रोकथाम करें
सावधानी अपनाएं
सेहतमंद रहें

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर आप डेंगू बीमारी से बच सकते हैं

डेंगू बीमारी के सामान्य लक्षण -
- तेज बुखार एवं सिरदर्द।
- मांसपेशियों तथा जोड़ों में दर्द।
- आंखों के पीछे दर्द।
- जी मिचलाना एवं उल्टी होना।
- गंभीर मामलों में नाक, मुंह, मसूड़ों से खून आना अथवा त्वचा पर लाल रंग के चकत्ते उभरना।

डेंगू बीमारी का संक्रमण -
- डेंगू बीमारी एक संक्रामक रोग है जो कि डेन नामक वायरस से होती है। व्यक्ति में इस वायरस का संक्रमण मादा एडीज़ मच्छर द्वारा काटने से होता है। यह मच्छर सात दिवस से अधिक ठहरे हुए साफ पानी में पैदा होता है। एडीज़ मच्छर दिन के समय काटता है।

डेंगू बीमारी की जांच एवं उपचार -
- सभी शासकीय जिला चिकित्सालयों में डेंगू की नि:शुल्क जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध है।
- डेंगू एक प्रकार का वायरल बुखार है इसका कोई विशेष उपचार नहीं है, यह स्वत: ठीक हो जाता है, इसलिए घबरायें नहीं।
- बुखार आने के साथ-साथ डेंगू के सामान्य लक्षण दिखाई देने पर निकट की शासकीय स्वास्थ्य संस्था में चिकित्सक से परामर्श लें तथा चिकित्सक की सलाह के अनुसार ही जांच एवं उपचार लें, स्वयं इलाज ना करें।

डेंगू से बचाव एवं रोकथाम -
- डेंगू बीमारी से बचाव के लिए आवश्यक है कि किसी भी स्थान पर जल का जमाव एक सप्ताह से अधिक समय तक नहीं हो।
- घरों की छतों पर रखी पानी की टंकियां, सीमेंट की टंकियां, गमले, टूटे-फूटे बेकार बर्तनों, छोटे-छोटे स्थलों में जलभराव रोकने के प्रयास, आपको एवं आस-पास के निवासियों को डेंगू से बचने में सहायक हैं।
- डेंगू से बचने के लिए अपने घर, कार्यस्थल अथवा खुली जगह पर जल का जमाव नहीं होने दें इसीलिए सप्ताह में कम से कम एक दिन अपने घर एवं कार्यस्थल के आसपास जल-जमाव की स्थिति देखें एवं जिन क्षेत्रों में जल-जमाव हो उनकी तत्काल जल-निकासी करें एवं जल स्रोतों की सफाई का ध्यान रखें।
- मच्छरदानियों का उपयोग अवश्य करें। पूरी बांह के कपड़े पहनें एवं मच्छररोधी क्रीम, क्वाइल, रिपेलेंट का उपयोग करें।
- स्वयं जागरूक रह कर अपने घरों एवं आस-पास के क्षेत्र को मच्छर मुक्त करने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें तथा अन्य को भी जागरूक करें।

D-11122-22

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जनहित में जारी
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश

NVBDCP

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2022

लेवर इस्पेक्टर के स्थानांतरण आदेश पर हाईकोर्ट की रोक

जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में दायर याचिका गरिमा सूर्यवंशी विरुद्ध शासन में माननीय जस्टिस एमएम भट्टी ने स्थानांतरण आदेश रोक लगाते हुए आ वेदिका को अपने पूर्व संस्था में कार्य करने की अनुमति प्रदान का आदेश पारित किया है याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सत्येंद्र ज्योतिषी ने बताया कि याचिकाकर्ता लेवर स्पेक्टर के पद पर जबलपुर में कार्यरत है याचिकाकर्ता का स्थानांतरण दिनांक 4-10-2022 को जबलपुर से सिवनी हो गया / जिसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने एक अभ्यावेदन विभाग को प्रस्तुत किया था पर विभाग ने कोई कार्यवाही नहीं की जिसके विरुद्ध याचिकाकर्ता ने माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की थी। याचिका में प्रमुख रूप से यह कहा गया कि याचिकाकर्ता का स्थानांतरण नियम विरुद्ध

तरीके से किया गया है याचिकाकर्ता की पुत्री सीबीएससी स्कूल जबलपुर में अध्ययनरत है एवं याचिकाकर्ता और उसके पति के बीच में 13ड्ड हिंदू विवाह अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण विचाराधीन है तथा आवेदक के पिता वृद्ध हैं ऐसी स्थिति में आवेदक का स्थानांतरण निरस्त किया जाए। माननीय न्यायालय ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अन आवेदक क्रमांक 2 उप सचिव श्रम मंत्रालय को यह आदेशित किया है कि याचिकाकर्ता के द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन का निराकरण 40 दिन के अंदर करें एवं उक्त अवधि में याचिकाकर्ता अपने पुराने कार्यस्थल जबलपुर में कार्य करती रहेगी ऐसा आदेश पारित किया हैएवं याचिकाकर्ता के द्वारा प्रस्तुत किए गए अभ्यावेदन का नियम अनुसार निराकरण करने का आदेश पारित किया है अभ्यावेदन के निराकरण तक याचिकाकर्ता अपनी पूर्व संस्था में कार्य करती रहेंगी याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सत्येंद्र ज्योतिषी सौरव सोनी ने पैरवी की।

विवेचना का 28वां राष्ट्रीय नाट्य समारोह भव्यता के साथ संपन्न

जबलपुर, यशभारत। तरंग प्रेक्षागृह में संपन्न हुआ विवेचना का 28 वाँ राष्ट्रीय समारोह शानदार नाटकों और शानदार उपस्थिति के लिए याद किया जाएगा। पांचों दिन भरपूर दर्शक आए और नाटकों का आनंद लिया। समारोह का उद्घाटन जबलपुर शहर की वरिष्ठ अभिनेत्री श्रीमती साधना उपाध्याय ने किया। पहले दिन मिस्टिक एक्ट्स, मुंबई के कलाकारों ने अशोक बांठिया के निर्देशन में लोमड़ियां नाटक का मंचन किया। इस नाटक में नाट्य की हर विधा अभिनय, वेशभूषा, मेकअप, संगीत, प्रकाश संयोजन का सुंदर प्रदर्शन था। दूसरे दिन शैडो थियेटर ग्रुप भोपाल के कलाकारों ने मनोज नायर के निर्देशन में नेपथ्य में शकुंतला नाटक का मंचन किया जो हल्के फुल्के हास्य के साथ दर्शकों को आनंदित कर गया। यह नाटक युवा ऊर्जा से भरपूर था और बहुत सुंदर संदेश दे गया। नाट्य समारोह के तीसरे दिन चेतना रंग समूह भोपाल के कलाकारों ने बेटर हाफ नाटक का मंचन कर दर्शकों को भावुक कर दिया। बुजुर्ग दंपत्ति के प्रेम को प्रदर्शित करने वाला यह नाटक अद्भुत साबित हुआ। चौथे दिन गाथा रंगमंच दिल्ली के कलाकारों ने महाकवि भास के क्लासिक संस्कृत नाटक चारुदत्त का भव्य मंचन किया। इसमें गीत संगीत नृत्य और रोचक कहानी थी। यह मंचन बहुत खूबसूरती से हुआ। अंतिम दिन अंक मुंबई के कलाकारों ने हास्य नाटक हाय मेरा दिल का मंचन किया .। इस दिन शहर के सभी महत्वपूर्ण गणमान्य नागरिक, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और सैकड़ों की संख्या में दर्शकों आए। और इस नाटक का हंसते-हंसते आनंद लिया। विवेचना के इस समारोह में पांचों दिन अलग-अलग रंग के बेहतरीन नाटक हुए जिन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया। पांचों दिन तरंग के बाहर निवासना यादव, विश्वनाथ धारगे, इंद्रपाल सिंह, नीरजा बोधनकर, वंदना गुप्ता के कलाकारों ने प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। विवेचना ने सभी दर्शकों का आभार व्यक्त किया है।

कक्षा में आंकलन : जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद का आयोजन

जबलपुर, यशभारत। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) जबलपुर द्वारा जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद का आयोजन यूट्यूब लाइव के माध्यम से डाइट प्राचार्य श्रीमती शशिबाला झा एवं डीपीसी श्री आर.पी.चतुर्वेदी ,प्रशिक्षण प्रभारी श्रीमती स्वाति वरखेडकर ,एपीसी श्री घनश्याम बर्मन के मार्गदर्शन में किया गया। कक्षा में आकलन विषय पर प्रतिभागियोंश्री राकेश उपाध्याय के आर पी श्रीमती साधना डभारे,श्री विपिन श्रीवास्तव ,बी ए सी श्री आशीष साहू,श्री कुलदीप डहेरिया , सी ए सी श्री सोनू पटेल,श्री सोमनाथ कुशवाहा, श्रीमति बीना सिंह,श्रीमती प्रेमलता पटेल,श्रीमती जागृति मालवीय ,श्री राकेश उपाध्याय ने अपने विचार रखे । दोतरफा संवाद का माहौल आनंददायक था। सभी शिक्षकों ने बड़ी उत्सुकता उत्साह के साथ प्रश्नों के जवाब दिए एवं प्रश्न किये .कक्षा में आकलन विषय पर चर्चा के दौरान शासकीय माध्यमिक शाला सगोडी के शिक्षक श्री अखिलेश मांझी के सहयोग से वहां के छात्रों ने यू ट्यूब लाइव से प्रशिक्षण में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। जिले से 1050 शिक्षक साथियों ने यूट्यूब लाइव के माध्यम से अपनी सहभागिता दर्ज की एवं विषय पर संवाद किया ।सभी शिक्षक साथियों द्वारा कार्यक्रम की सराहना की गई तकनीकी संचालन पीरामल फाउंडेशन के श्री आमिर खान ने किया।

स्व.सोनी के परिवार को पूरी निर्माणी देगी आर्थिक मदद

ओएफके की सभी यूनियनों एसोसिएशनों ने जी एम को सौंपा सहमति पत्र

जबलपुर यशभारत। ओएफके में29 सितंबर को हादसे में जख्मी होकर जान गंवाने वाले स्व.नंदकिशोर सोनी के परिवार को सहयोग करने के लिए पूरी निर्माणी एक मत से सहयोग करने के लिए सहमत हैं।इसी सहमति पत्र पर एक मात्र राजपत्रित अधिकारी एसोसियेशन को छो? कर सभी संगठनों के अध्यक्ष/महासचिवों ने हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन महाप्रबंधक को सौंप कर कहा है कि इस माह के वेतन से सौ रुपये काटकर स्व.सोनी के परिवार को मदद के रूप में सौंप दी जाए।संगठनों की ओर से कहा गया है कि यद्यपि पैसों से उस परिवार की अपूरणीय क्षति को पूरा नहीं किया जा सकता है।लेकिन स्व.सोनी और उनका परिवार हमारे निर्माणी परिवार का हिस्सा है।अतः मदद करना हम सभी का दायित्व है। महाप्रबंधक को सौपें गये पत्र में लेबर यूनियन कामगार यूनियन सुरक्षा कर्मचारी यूनियन एस सी एस टी यूनियन सुपरवाइजर एसोसिएशन एआईएएनजीओ एन डी एन जी एस ए की ओर से अध्यक्ष महासचिवों ने हस्ताक्षर किए हैं।वहीं ग्रुप बी राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष बी बी ओझा ने कहा कि उनके संगठन की सहमति सभी यूनियनों एसोसिएशन के साथ है।उनका संगठन भी सहयोग में बराबरी की हिस्सेदारी करेगा।इसके अतिरिक्त उनके द्वारा अतिरिक्त रूप से और आर्थिक सहयोग किया जा रहा है।साथ ही सभी यूनियनों एसोसिएशन ने स्व.सोनी के परिवार को तत्काल अनुकंपा नियुक्ति और निर्धारित अनुग्रह राशि भी अविलंब देने की अपील की है।

मानस भवन में रोजगार मेले का आयोजन

पंजीकृत एवं अन्य युवक युवतियाँ रोजगार मेले का ले सकते हैं लाभ : निगमायुक्त

जबलपुर, यशभारत। दीनदयाल अंत्योदय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डे-एन. यू. एल. एम.) योजनांतर्गत आज प्रातः 10:00 बजे से मानस भवन परिसर राइट टाउन मे नगर निगम जबलपुर द्वारा रोजगार मेला 2022-23 का आयोजन किया गया , जिसमें विभिन्न सेक्टरों की कम्पनियाँ शामिल होंगी।हो रही हैं। निगमायुक्त शेर सिंह मीना, अपर आयुक्त आर.पी. मिश्रा, सहायक आयुक्त श्रीमती अंकिता जैन ने अपील कर कहा है कि योजना अंतर्गत पंजीकृत एवं अन्य युवक, युवतियॉ (आयु 18 से 35 वर्ष) रोजगार मेले में भाग लेकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

मनमोहन नगर सरकारी अस्पताल में बढ़ाई जाएं सुविधाएं

जबलपुर , यशभारत। मनमोहन नगर सरकारी अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाने के लिए सुखदुःख परिवार के सदस्यों ने जॉइंट डायरेक्टर संजय मिश्रा से चर्चा की, जिसमें अस्पताल में मेटरनिटी की सुविधा, अस्पताल में स्टाफ की संख्या बढाना, अस्पताल परिसर में रह रहे स्टाफ से सम्बंधित जानकारी, अस्पताल परिसर में बंद पड़ी लाइट को शीघ्र चालू करना, अस्पताल की सुरक्षा के लिए गार्ड की नियुक्ति आदि, सुविधाओं के लिए आग्रह किया, जिस पर उन्होंने जल्द ही सुविधाएं बढ़ाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पवन तिवारी, योगेंद्र दुबे, अमित तिवारी, बृजेश मिश्रा, शैलेन्द्र दुबे, मनीष विश्वकर्मा, गौरव श्रीवास्तव एवं सुखदुःख परिवार के अन्य जन उपस्थित रहे।

श्रीमती सरोज शर्मा का निधन

जबलपुर, यशभारत। अधारताल आनंद नगर जनता क्वार्टर निवासी पूर्व मनोनीत पार्षद,वरिष्ठ भाजपा नेता, अनिल शर्मा प्रवीण शर्मा की माता श्रीमती सरोज शर्मा का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

कम्प्यूटर ऑपरेटरों को भी दिया जाये दीवाली पूर्व वेतन

जबलपुर,यशभारत। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष सुनील पटेल एवं जिला सचिव एस.के. प्रधान ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि शिक्षा विभाग के अलावा अन्य विभागों में आउटसोर्सिंग द्वारा कम्प्यूटर ऑपरेटरों की नियुक्ति की गई है। कम्प्यूटर ऑपरेटर अपनी सम्पूर्ण निष्ठा से कर्तव्य का पालन करते हुए कार्य कर रहे है, किन्तु उन्हें विगत 4 माह से वेतन नहीं दिया गया है, जिससे वैसे भी उनके परिवार के भरण पोषण की समस्या बनी हुई, इसके बाद वेतन के अभाव में दशहरा जैसा त्यौहार भी फीका पड़ा और अब महापर्व दीपावली का त्यौहार नजदीक है ऐसे महापर्व दीवाली के पूर्व आउटसोसिंग में नियुक्त कम्प्यूटर ऑपरेटरों को भी वेतन दिया जाये, जिससे वे सपरिवार इस त्यौहार को हर्षोल्लास के साथ मना सकें । संघ के प्रदेश अध्यक्ष अतुल मिश्रा, सुनील पटेल, एस. के. प्रधान, उमाचरण झारिया, पंकज हल्दकार कय्यूम खान, कमल धाकड़, रत्नेश मिश्रा, लक्ष्मण काछी, आशीष लाल, रवि केवट, सत्येन्द्र भट्ट, अनवर खान, मनोज शर्मा, राजेश गुप्ता, दीपक हल्दकार, अभिषेक कोरी, राकेश मिश्रा, नरेन्द्र जायसवाल, माधव पाण्डे, राजकुमार सिंह, शोभाराम चड़ार, रमाकान्त तिवारी, श्याम तिवारी, एस. पी. मरावी, आर.एस. मर्सकोले, मनीष वर्मा, अखिलेश सिंह राजपूत, राकेश श्रीवास, शिवनारायण वर्मा आदि ने राज्य शासन से आउटसोर्सिंग में कार्यरत् कम्प्यूटर ऑपरेटरों को दीवाली पूर्व वेतन दिये जाने की मांग की है।

श्रीजानकी रमण महाविद्यालय स्वर्ण जयंती समारोह

काव्य पाठ का गरिमामय आयोजन

जबलपुर, यशभारत। श्रीजानकीरमण महाविद्यालय जबलपुर में स्वर्ण जयंती समारोह की श्रृंखला के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं का रचना पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें चार गुरुकुल समूह क्रमश दुलीचन्द भाई गुरुकुल, हरिकृष्ण त्रिपाठी गुरुकुल, भवानी प्रसाद तिवारी गुरुकुल, रामेश्वर गुरू गुरुकुल समूह के छात्र छात्राओं ने बढ़चढ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री शरद चन्द्र पालन अध्यक्ष के रुप में डॉ अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, प्राचार्य श्रीजानकीरमण महाविद्यालय उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में नगर के वरिष्ठ साहित्यकार राजसागरी, अभिमन्यु जैन, सुरेश मिश्र विचित्र उपस्थित रहे। काव्य पाठ में प्रथम स्थान दुलीचंद भाई पालन समूह ने प्राप्त किया एवम द्वितीय स्थान प. हरिकृष्ण त्रिपाठी समूह ने प्राप्त किया एवम भवानी प्रसाद समूह एवम रामेश्वर गुरू समूह ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान ने प्राप्त किया समस्त कार्यक्रम का संचालन श्रीमती राधा झरिया एवं आभार डॉ गंगाधर त्रिपाठी ने किया।

कर्मचारी जगत....

मध्यान्ह भोजन साहिकाएं वेतन से वंचित

मंहगाई के दौर में तीन माह से साहिकाएं वेतन से वंचित

जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति बताया कि शासकीय स्कूलों में मध्यान्ह भोजन वितरित करने वाली साहिकाओं को तीन माह से वेतन नहीं मिला जिससे उनके भरण पोषण की समस्या उनके सामने आ गयी है। वैसे भी इन्हे दो हजार रूप्ये न्यूनतम राषि प्रति माह मिलते है जिसमें जीवकोपार्जन/गुजारा करना वैसे भी मुष्किल होता है और यदि वो भी दो-तीन माह से ना मिलने से साहिकाएं हैरान, परेषान और हलाकान है कि आखिर उनके साथ ऐसा क्यों हो रहा है आखिर शासन-प्रशासन इस तरफ ध्यान क्यों नहीं दे रहा है। यही वजह है कि इन मध्यान्ह भोजन वितरित करने वाली साहिकाओं में रोष व्याप्त है। संघ के जिलाध्यक्ष-रॉबर्ट मार्टिन, शहीर मुमताज, राकेष श्रीवास, आदि ने जिला पंचायत सीईओ से मांग की है कि मध्यान्ह भोजन वितरित करने वाली साहिकाओं का पिछले दो-तीन माह का वेतन अतिशीघ्र दिया जाए।

समयसीमा में कर्मियों के स्वयत्तों का सुनिश्चित भुगतान हो

जबलपुर, यशभारत। म.प्र.तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने बताया कि शासकीय कर्मचारी जो जीवनभर शासकीय कार्य करते हैं , सेवानिवृत्त के पश्चात् एवं शासकीय कार्य में रहते हुए जो कर्मचारी मृत होते हैं वह अपनी जीवनभर की कमाई और पेंशन प्राप्त करने के लिए बेवजह अपने ही कार्यालयों एवं कोषालयों के चक्कर में परेशान होते रहते हैं । शासकीय कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति की कार्यवाही तीन माह पहले से ही भुगतान की कार्यवाही करने के लिए आदेश हैं परंतु कार्यालयों द्वारा सेवानिवृत्त के पूर्व पेंशन एवं देयकों के भुगतान से संबंधित कार्यवाही पूर्ण नहीं की जाती है , जिससे शासकीय कर्मी को रिटायरमेंट के बाद अपने स्वयत्तों के भुगतान के लिए भटकना पड़ता है । * सेवानिवृत्त एवं मृत कर्मचारियों के बिलों में बेवजह विभाग / कोषालय द्वारा अनेकों आपत्ति लगाई जाती हैं जब तक चढावा न चढा दो बिल पास नहीं किया जाता और चढावा चढते ही वही बिल तत्काल पास हो जाता है । कर्मचारी की मृत्यु के बाद उसके परिवार को आर्थिक मदद के लिए स्वयत्तों के भुगतान के लिए अनेकों चक्कर विभाग / कोषालय के काटना पड़ता है , कर्मचारी का परिवार निसहाय और आर्थिक परेशानियों के बोझ से दब जाता है और उसके स्वयत्तों के भुगतान न होने से अत्यंत परेशानियों का सामना करना पड़ता है । संघ मांग करता है कि सेवानिवृत्त एवं मृत कर्मचारियों के स्वयत्तों के भुगतान शीघ्र हो ऐसी व्यवस्था की जाये । संघ के योगेन्द्र दुबे अर्वेन्द्र राजपूत , अवधेश तिवारी , अटल उपाध्याय , मुकेश सिंह , मिर्जा मंसूर बेग , आलोक अग्निहोत्री , ब्रजेश मिश्रा , दुर्गेश पाण्डेय , आशुतोष तिवारी , योगेन्द्र मिश्रा , वीरेन्द्र चंदेल , एस.पी. बाथरे , मनोज सिंह , मुकेश मिश्रा , शरद मिश्रा , देशमुख इंद्रजीत मिश्रा , योगेश कपूर , पंकज जायसवाल , तुषरेन्द्र सिंह , नीरज कौरव , जवाहर लोधी , एन शुक्ला , चूरामन गूजर , सतीश हेमन्त गौतम , महेन्द्र चौधरी , अमित गौतम , शैलेन्द्र दुबे , रामकृष्ण तिवारी , संदीप चौबे , रितुराज गुप्ता , प्रमोद वर्मा , वीरेन्द्र सिंह ठाकुर , वीरेन्द्र पटेल , राकेश वर्मा , देवेन्द्र दाहिया , अभिषेक वर्मा , शेरसिंह , राजाबाबू बैगा , निशांक तिवारी , मो . तारिक , धीरेन्द्र सोनी , प्रियांशु शुक्ला , संतोष तिवारी आदि ने कलेक्टर जबलपुर से मांग की है कि सेवानिवृत्त एवं मृत कर्मचारियों के पेंशन एवं अन्य स्वयत्तों के भुगतान की समय सीमा तय की जाये , जिससे सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं मृत कर्मचारी के परिवार को परेशानियों का सामना न करना पड़ें।

जरूरत मंद बच्चों को बांटे नए कपड़े,खिलौने,पटाखे मिठाई

जबलपुर, यशभारत। जरूरत मंद बच्चों को दीपावली की खुशियां देने के उद्देश्य से खुशी एक पहल संस्था द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी नौ देवियों के रूप में सुसज्जित कन्याओं का माता की चुनरी उड़ा कर विधिवत पूजन कर 251 जरूरतमंद बच्चों को नए कपड़े ,खिलौने ,पटाखे मिठाई का वितरण किया गया साथ ही अन्य संस्थाओं को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया विशिष्ट अतिथि भैया सरकार, कमलेश गुप्ता, पवन तिवारी शैलेश जैन अनुज विकास जैन रहे । इस कार्य को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्रशांत साहू विकास शुक्ला मानसिंह यादव जयदीप कोल का रहा। डॉ स्वतंत्र यादव द्वारा निशुल्क दंत कैंप का आयोजन किया गया।

जबलपुर में कमलनाथ ने मप्र सरकार को घेरा

भाजपा नशे में, वह कौन सा नशा बंद करेगी

जबलपुर, यशभारत। पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने आज जबलपुर के पनागर विधानसभा क्षेत्र में विशाल जनसमूह को संबोधित किया। कमलनाथ की इस सभा को चुनावी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। आठ विधानसभा सीटों में से जबलपुर में चार विधायकों ने पिछले चुनाव में अपना विजय पताका फहराई था। वहीं लंबे अरसे से जीत के लिए मोहताज पनागर विधानसभा में आज कमलनाथ जमकर गरजे। कमलनाथ ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला इस दौरान कहा भाजपा सरकार खुद नशे में हैं। वह कौन सा नशा बंद करेगी। मैं पूरे प्रदेश का दौरा कर रहा हूं। मेरा महाकौशल सहित जबलपुर से खास लगाव हैं।

जनसभा में दिख रहा लोगों का आक्रोश

यह विशाल जनसभा किसी शासकीय मदद से नहीं बुलाई गई है। यह सभा में लोगों का आक्रोश साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। भाजपा सरकार नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। भाजपा सरकार की नीति से हर वर्ग परेशान हो चुका है। कांग्रेस पार्टी ने 27 लाख किसानों का कर्जा माफ किया था। लेकिन भाजपा सरकार ने हमारी सरकार गिरा दी। हमने वचन पत्र में किसानों का कर्जा माफ करने का ऐलान किया था। जिसे हम पूरा कर रहे थे। आगामी चुनाव के लिए हम फिर वचन पत्र ला रहे हैं। जिसके लिए सुझाव मांगे जा रहे हैं।

भाजपा से हर वर्ग के लोग परेशान

कांग्रेस सरकार में महाकौशल को खास तवज्जो दी गई थी। यहां से चार मंत्री थे। स्पीकर से लेकर डिप्टी स्पीकर तक महाकौशल से बनाया गया था। साथ ही कैबिनेट की मीटिंग भी महाकौशल में पहली बार की गई थी।

गोहलपुर में वृद्ध की दर्दनाक मौत

जबलपुर, यशभारत। गोहलपुर में सीढ़ियों से गिरे एक वृद्ध की आज बुधवार को दर्दनाक मौत हो गयी। वृद्ध देर रात घर में गिर गया, जिसे आनन-फानन में मेडिकल में भर्ती करवाया गया, लेकिन इलाज के दौरान वृद्ध ने दम तोड़ दिया। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि सूचना मिली कि सलीम खान 60 वर्ष निवासी लेमा गार्डन के पास गोलपुर अपने घर में सीढ़ियों से गिर गया। जिसके बाद परिजनों ने वृद्ध को नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया। लेकिन उपचार के दौरान सलीम खान की मृत्यु हो गयी है। सूचना पर पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

मेडिकल में इलाज के दौरान तोड़ दिया दम

गढ़ा में युवक की नृशंस हत्या

चाकूबाजी में पेट की निकल आईं थी आतें, इलाज के दौरान तोड़ दिया दम, क्षेत्र में हड़कंप

जबलपुर, यशभारत। गढ़ा के छोटी बजरिया में करीब डेढ़ महिने पहले हुई चाकूबाजी के बाद इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। घटना में दो आरोपियों ने आपसी रंजिश के चलते युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए थे। वारदात के दौरान युवक की पेट की अतड़ियां बाहर निकल आई थीं। जिसके बाद युवक को जबलपुर में एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां से उसे नागपुर रेफर कर दिया गया था। लेकिन वहां से इलाज कराकर घर लौटकर आने के बाद युवक की घर में मौत हो गयी। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को दबोच लिया है। वहीं आरोपी का भाई अभी भी फरार बताया जा रहा है। जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश करने में जुटी है। गढ़ा थाना प्रभारी राकेश तिवारी ने पूरी जानकारी देते हुए बताया कि चिराग गौतम 22 साल निवासी गढ़ा का सुमित झारिया और उसके भाई गौरव झारिया से छोटी बजरिया में झगड़ा हुआ था। घटना में युवक के ऊपर प्राणघातक हमला करते हुए दोनों आरोपियों ने एक राय होकर, चाकुओं से ताबड़तोड़ वार किए। जिसके बाद युवक के करीब डेढ़ महिने चले इलाज के दौरन मौत हो गयी। पुलिस ने सुमित झारिया को दबोच लिया है। वहीं, गौरव झारिया फरार बताया जा रहा है।

खमरिया के संरक्षा अधिकारी को हृदयाघात से मौत

पत्नी का आरोप, पति तनाव में थे नहीं मिल रही थी छुट्टी

खबर लगते ही अधिकारी साथी पहुंचे अस्पताल जताया शोक

जबलपुर, यशभारत। आयुध निर्माणी खमरिया के संरक्षा अधिकारी और विभाग प्रमुख श्याम सिंह की खमरिया अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।वे रात सा? तीन बजे के आसपास अस्पताल में इलाज के लिए आये थे। मौत के बाद उनकी पत्नी ने अस्पताल पहुंच कर रोते हुए आरोप लगाया है कि उनके पति विगत कई दिनों से तनाव में थे।उन्होंने छुट्टी के लिए आवेदन किया था लेकिन प्रबंधन ने उनकी छुट्टी मंजूर नहीं की।जिसके चलते उनके पति की मौत हुई है। जानकारी के अनुसार श्याम सिंह निर्माणी के विश्राम गृह में रहते थे।परिवार इटारसी में रहता है।तकलीफ होने पर वे स्वयं अपने वाहन से रात साढ़े तीन बजे अस्पताल पहुंचे थे।करीब चार बजे सुबह उनकी मौत हो गई। खबर लगते ही अधिकारी साथी अस्पताल पहुंच गए उन्होंने श्याम सिंह के परिवार को ढाढस बंधाया।साथी अधिकारी दुखी और आश्चर्य में है कि कैसे उनका साथी अचानक उन्हें छोड़ कर चला गया।श्याम सिंह देहरादून के रहने वाले बताये जाते हैं। जानकारी लगते ही निर्माणी के प्रभारी अधिकारी अस्पताल पहुंचे उन्होंने परिवार वालों से चर्चा कर ढाढस बंधाया। परिजन श्याम सिंह के पार्थिव देह को अपने ने गृह नगर ले जाने की बात कर रहे हैं।

पी आर ओ बोले

हमारे एक अधिकारी का कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया है।परिवार वालों द्वारा लगाए गए आरोप उन्होंने कुछ भी कहने से मना कर दिया है।इसके साथ ही कहा कि उनके परिवार की इच्छा के अनुरूप पूरी मदद करने प्रबंधन तैयार है।

दिनेश कुमार
संयुक्त महाप्रबंधक/पी आर ओ
ओएफके

एक्सिस से नशीले इंजेक्शन ढो रहे सगे भाईयों को पुलिस ने दबोचा

सैकड़ों की तादात में इंजेक्शन बरामद, कार्रवाई जारी

जबलपुर, यशभारत। घमापुर पुलिस ने एक्सिस से नशीले इंजेक्शन ढो रहे दोनों सगे भाईयों को दबोच लिया। आरोपियों से पुलिस ने सैकड़ों की तादात में इंजेक्शन जब्त किए है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि मुखबिर से क्राइम ब्रांच को सूचना प्राप्त हुई की लालमाटी निवासी महेश साहू अपने छोटे भाई राजू के साथ बिना नंबर की एक्सिस वाहन में बेचने नशीले इंजेक्शन लेकर अपने घर आने वाला है। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों भाईयों को एक्सेस वाहन के साथ दबोच लिया। जिसकी तलाशी लेने पर नशीले इंजेक्शन जब्त किए गए। पूछताछ में दोनों ने कोई जबाव नहीं दिया। जिनके खिलाफ कार्रवाई की गई।

कलेक्टर का आदेश, हेलमेट लगाकर ही दफ्तर आएं कर्मचारी

जबलपुर, यशभारत। हेलमेट अभियान के तहत जिले के सभी शासकीय कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि अगर वो दोपहिया वाहन से कार्यालय आते हैं तो वे अनिवार्य रूप से हेलमेट लगाकर आएं। इस संबंध में कलेक्टर की ओर से सभी जिला प्रमुखों को पत्र लिखा गया है।कलेक्टर ने अपने आदेश में सभी विभागों के जिला प्रमुखों से कहा है कि वे दोपहिया वाहन से कार्यालय आने वाले अपने-अपने अधिनस्थों को हेलमेट लगाकर आने के लिए निर्देशित करें। इस व्यवस्था का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित कार्यालय प्रमुखों की होगी। जल्द ही इस आदेश के परिपालन में सख्ती दिखाई पड़ सकती है।कलेक्टर की अपीलकलेक्टर डा. इलैयाराजा टी ने न केवल सरकारी कर्मचारियों बल्कि आम जन से भी अपील की है कि वे हेलमेट लगाकर ही दोपहिया वाहन चलाएं। यह जितना कानूनी रूप से उचित होगा उतना ही उनके खुद के और उनके परिजनों के लिए सुरक्षित भी होगा। इसलिए लोग शासन के आदेशों का पालन करें और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर लगाएं हेलमेट नहीं तो शराब नहीं, जबलपुर पुलिस ने दुकान संचालकों को दी हिदायत, लगवाए बैनर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सभी विभागों को पत्र लिखा गया है। इसके साथ ही शराब दुकान संचालकों को भी हिदायत दी गई है कि दो पहिया वाहन पर सवार होकर शराब दुकान पहुंचने वाले सभी ग्राहकों के लिए हेलमेट लगाना अनिवार्य होगा।

नर्मदा घाटी विभाग ने सेवा निवृत्त उपयंत्री को बना दिया एसडीओ

जबलपुर यशभारत। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जबलपुर जिला संरक्षक योगेंद्र दुबे, जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय ने बताया है कि नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण ने सेवा निवृत्त उपयंत्री रविन्द्र नाथ गर्ग को संविदा नियुक्ति देते हुए कार्यालय कार्यपालन यंत्री दांयी तट नहर संभाग क्रमांक 1 कटनी में उपयंत्री के रिक्त पद पर संविदा नियुक्ति प्रदान की गई है। साथ ही अनुविभागीय अधिकारी (मैदानी) का प्रभार भी दिया गया है,नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के आदेश क्रमांक 21 / ग्यारह / 341 / 2022 / 3311. दिनांक 13.10.2022 के द्वारा उक्त नियुक्ति दी गई है ! मध्य प्रदेश के अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जीतेंद्र सिंह व म प्र डिप्लोमा इंजीनियर्स ऐसो. के प्रांताध्यक्ष सूरज सिंह कुशवाह ने बताया है कि नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण 59, नर्मदा भवन अरेरा हिल्स जेल रोड भोपाल के आदेश,क्रमांक 21 / ग्यारह / 364 / 2022 / 3364 भोपाल, दिनांक 18/10/2022 जारी कर 30ट्ट40 सालों से नियमित सेवा में कार्य कर रहे उपयंत्रीयों को अनुविभागीय अधिकारी का प्रभारी नहीं बनाया जा रहा है ,वही संविदा नियुक्ति पर रखे गए सेवानिवृत्त हो चुके उपयंत्री को महत्वपूर्ण कार्य का प्रभार दिया जा रहा है संविदा पर नियुक्त को सहायक यंत्री का प्रभार देकर विभाग के नियमित सेवारत उपयंत्रियों का मजाक उड़ाया जा रहा है।

आयशर ट्रक और बस की शहर में डीलरशिप शुरु

जबलपुर यशभारत। वीई कमर्शियल व्हीकल्स की व्यवसायिक इकाई आयशर ट्रक्स एंड बसेस ने जबलपुर, में अपने नए 3एस (सर्विस और स्पेयर) डीलरशिप, जीडी ट्रकिंग प्राइवेट लिमिटेड की शुरुआत की है। 47 हजार वर्ग फुट में पूरी तरह से 10 सर्विस बे की सुविधा के साथ स्पेयर पार्ट्स और सर्विस टूल्स की एक व्यापक सूची से सुसज्जित है। एनएच 34 जबलपुर बाईपास पर स्थित होने के कारण, डीलरशिप कृषि-उत्पाद, फलों और सब्जियों के उद्योगों में काम करने वाले स्थानीय आयशर ग्राहकों और इस महत्वपूर्ण हब के माध्यम से आने-जाने वाले लंबी दूरी के ग्राहकों को सर्वोत्तम सहायता प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से स्थित है।

सुरक्षा अराजपत्रित अधिकारियों का सम्मेलन कानपुर में

जबलपुर यशभारत। नेशनल डिफेंस नान गजटेड स्टाफ एसोसिएशन(एन डी एन जी एस ए) का दो दिनी वार्षिक अधिवेशन अधिवेशन आज19अक्टूबर से कानपुर के आर्मापुर में आयोजित किया गया है।जिसमें हिस्सा लेने के लिए जबलपुर की चारों सुरक्षा निर्माणियों से बढ़ी संख्या में चार्जमेन पहुंच गए हैं।सम्मेलन में मुख्य रूप से सरकार के निगमीकरण के विरोध में रणनीति तैयार करने नई पेंशन योजना को समाप्त करने के साथ चार्जमेनों के केडर रिव्यू आदि मुद्दों पर पर चर्चा होगी। इसके साथ ही अगले सत्र के लिए पदाधिकारियों का निर्वाचन संपन्न होगा। सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ओएफके से विवेक शर्मा आनंद गोस्वामी संतोष चौधरी राजेश खन्ना व्हीएफजे से कमल चौहान ब्रजेश शाह रामकुमार सैय्याम जीसीएफ से रवींद्र कुमार कनौजिया एस के राय संजय मिश्रा नीरज त्रिपाठी मनीष पांडे सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित हैं।

शहर की चारों सुरक्षा निर्माणियों से प्रतिनिधि कानपुर रवाना

परिक्रमा संचालक भगवान श्री हनुमान जी महाराज के एक -एक नाम पर 1100 आहुति गोशाला में दी

व्यापारी प्रकोष्ठ ने पंडित जी को दक्षिण में दिया हेलमेट

जबलपुर, यशभारत। कार्तिक पूर्णिमा को निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट पूज्य संत महात्माओं के नेतृत्व में प्रातः 8ः30 निकाली जाएगी आज जमुना सभागृह गोल बाजार में शरद अग्रवाल की गौशाला में भगवान श्री हनुमान जी महाराज की एक-एक नाम पर 1100 आहुति दी गई पंचकोसी परिक्रमा की सफलता के लिए। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल अध्यक्ष डॉक्टर शिव शंकर पटेल संकीर्तन आचार्य मनमोहन दुबे सत्य प्रकाश नामदेव गुड्डू नेता रामसेवक पटेल प्रभाकर चतुर्वेदी मोहित तिवारी मनोज गुलाब बानी सहित सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे इस अवसर पर व्यापारी प्रकोष्ठ ने हवन करने के बाद दक्षिणा में मनमोहन दुबे को हेलमेट प्रदान किया।

रोजगार प्रशिक्षण
क्या आप रोजगार चाहते हैं
आईये! हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े और एक अच्छा रोजगार पायें
कार्यक्रम सिर्फ 18 से 30 आयुवर्ग के लिए है
register nline@
https://www.grow.org.in
90099-85689

INDUSIND BANK LTD, JBP
AL DOST LS (LOAD BODY JABALPUR
VEHICLE NO MP20GB3340
MODEL 2019
ENGINE NO -YKH047981P
Chassis's No-MB1AA22E6KRY86662
उचित कीमत मैं शीघ्र बेचना है
Contact - 8889914315

M.P. POWER GENRATING CO. LTD.
HYDEL MAINT. & SI, CIRCLE JABALPUR-482 008
(TENDER No. 2022_MPPGC_207105)
On line bids are invited for Replacement of old & damaged A.C. Sheet roofing, window etc and misc. civil maintenance work of shed no. 15 O/o C.E.(O&M), Hydel, MPPGCL, Jabalpur(M.P.)
The key dates of tenders are as below:-
Due date for submission of Tender: 07.11.2022 (at 15:30 hrs.)
Date for opening of Tender : 11.11.2022 (at 16:00 hrs)
For details please visit our website www.mptenders.gov.in
& Email asechm@gmail.com : Tel. 0761-270-2894
SUPERINTENDING ENGINEER (CIVIL)
"SAVE ELECTRICITY" HM & SI CIRCLE MPPGCL: JABALPUR

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर
पत्र क्रमांक/अ.आ./संपदा/2022/178/पी.आर.ओ./430 जबलपुर, दिनांक 18.10.2022
आम सूचना
नगर निगम जबलपुर के द्वारा ग्राम मानेगांव तालाब, खसरा नं. 1/1, प.ह.न.14 तहसील रांझी अंतर्गत स्थित तालाब को मत्स्य पालन हेतु मध्यप्रदेश शासन मछली पालन विभाग की नवीन मछुआ नीति 2008 में उल्लेखित प्रावधनों के अनुसार 10 वर्षीय पट्टे पर दिया जाना है। संबंधित जलाशय क्षेत्र में पंजीकृत मछुआ सहकारी समितियों/मछली पालन के निमित्त गठित मछुआ समूह/मछुआरा अपना आवेदन पत्र मय प्रस्ताव-ठहराव, पंजीयन प्रमाण पत्र, बायलॉज, सदस्य सूची, ऑडिट रिपोर्ट आदि के साथ संपदा शाखा, कमरा नंबर-22, नगर निगम जबलपुर (म.प्र.) में दिनांक 02.11.2022 तक कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है। पट्टे से संबंधित नियम व शर्तों का अवलोकन कार्यालयीन समय में संपदा शाखा, कमरा नंबर-22, नगर निगम, जबलपुर में किया जा सकता है।
दिनांक- 02.11.2022 के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार किया जाना संभव नहीं होगा।
जलाशय की जानकारी निम्नानुसार है :-

क्रमांक	नगर निगम का नाम	तालाब/जलाशय का नाम	उत्पादित जलक्षेत्र (हैक्टेयर)
01	जबलपुर	ग्राम मानेगांव तालाब	2.023 हैक्टेयर

नियम व शर्तें :-
1. पट्टा अवधि की गणना 01 जुलाई से 30 जून तक होगी।
2. पट्टाधारक समिति/समूह को विभागीय नियमों का पालन करते हुए नियमानुसार अनुबंध निष्पादन कराना होगा।
3. जलाशय को पट्टे पर देने अथवा निरस्त करने का अधिकार नगर निगम, जबलपुर को होगा।
4. मध्यप्रदेश शासन मछली पालन विभाग की मछुआ नीति 2008 एवं शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों व संशोधनों का पालन करना अनिवार्य होगा।
5. तालाबों की पट्टा राशि एवं प्राथमिकता क्रम का निर्धारण म.प्र. शासन मछली पालन विभाग की मछुआ नीति 2008 में उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार विभाग द्वारा की जावेगी।

अपर आयुक्त, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर,
लोककर्म विभाग
निविदा आमंत्रण सूचना
N.I.T. No/ PWD/e-tendering/PRO-431 दिनांक : 18.10.2022
पंजीकृत ठेकेदार/ मान्यता प्राप्त फर्म से निम्नलिखित कार्य के लिये आनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

क्र.	पैकेज/कोड	कार्य का विवरण	जिला	अनुमानित लागत (लाख में)	निर्माण अवधि (माह में)
1	सं.क्र. - 10	गोकलपुर वार्ड के अन्तर्गत में मुख्य मार्ग से बबलू रैकवार के मकान तक एवं गणेश समिति मोहल्ला एवं अन्य स्थलों पर कर्बड नाली निर्माण एवं मरम्मत	जबलपुर	रु. 4.44/- लाख (चार लाख चवालीस हजार रु. मात्र)	02 माह
2	सं.क्र. - 10	गोकलपुर वार्ड में खेरमाई मंदिर बस्ती में नाली कवर करने के साथ पेवर ब्लाक लगाने का कार्य। अन्तर्गत रक्षा कर्मचारी कालोनी में रोड के दोनों ओर पेवर ब्लाक का कार्य।	जबलपुर	रु. 4.45/- लाख (चार लाख पैंतालीस हजार रुपये मात्र)	02 माह
3	सं.क्र. - 10	चन्द्रशेखर आजाद वार्ड के अन्तर्गत संजय नगर में कबाड़ी की दुकान के समीप से लेकर राम के मकान की ओर एवं पार्क के पास नाली निर्माण कार्य।	जबलपुर	रु. 4.36 लाख (चार लाख छत्तीस हजार रुपये मात्र)	02 माह
4	सं.क्र. - 10	चन्द्रशेखर आजाद वार्ड के अन्तर्गत संजय नगर में पार्क के पास से टाल के पास तक दोनों ओर कच्चा स्थल पर पेबर ब्लाक लगाने का कार्य।	जबलपुर	रु. 4.32 लाख (चार लाख बत्तीस हजार रुपये मात्र)	02 माह
5	सं.क्र. - 10	चन्द्रशेखर आजद वार्ड के अन्तर्गत बापू नगर में पंकज पटेल से वर्षा किराना के समीप तक क्षतिग्रस्त नाला एवं मयंक मोबाइल के पास पुलिया का चौड़ीकरण का कार्य।	जबलपुर	रु. 2.36 लाख (दो लाख छत्तीस हजार रुपये मात्र)	02 माह

1. इच्छुक निविदाकार निविदा सूचना (NIT) का विवरण www.mptender.gov.in में देख सकते हैं।
2. निविदा प्रपत्र दिनांक 27.10.2022 को प्रातः 10.30 बजे से दिनांक 11.11.2022 सायं 5.30 बजे तक ऑनलाइन निविदा क्रय की जा सकती है ।

कार्यपालन यंत्री
लोक कर्म विभाग, नगर निगम, जबलपुर

संपादकीय

इनसान- जानवर का संघर्ष

एक तरफ वन्य जीव खतरे में हैं, तो दूसरी यह भी सच है कि बीते सालों में इंसानों पर जंगली जानवरों के हमलों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस मसले का हल अब जरूरी है। हाल में नामीबिया से चीते भारत लाए गए, तो उनकी खूब चर्चा रही। उन चीतों को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ने खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां गए। इसके लिए प्रधानमंत्री ने अपने जन्म दिन का विशेष अवसर चुना। जाहिर है, उससे वन्य जीवों के प्रति प्रधानमंत्री के लगाव का संदेश सारे देश को दिया गया। इसीलिए प्रधानमंत्री से यह अपेक्षित है कि वे देश के कई इलाकों में इनसान और जानवरों के बीच बढ़ रहे विरोध पर भी ध्यान दें। अब यह जरूरी हो गया है कि ऐसी विरोध स्थितियों को हल करने के प्रभावी कदम यथाशीघ्र उठाए जाएं। हाल में बिहार में वाल्मिकीनगर टाइगर रिजर्व के एक बाघ के नरभक्षी बनने के बाद सरकार के आदेश पर उसे मार दिए जाने की घटना ने ऐसे टकरावों की तरफ सारे देश का ध्यान खींचा है। इससे वन्य जीव अभयारण्यों के आसपास के इलाकों में बसे लोगों की सुरक्षा का सवाल उठा है और प्रोजेक्ट टाइगर के औचित्य पर भी बहस शुरू हो गई है।

एक तरफ वन्य जीव खतरे में हैं, तो दूसरी यह भी सच है कि बीते सालों में इंसानों पर जंगली जानवरों के हमलों की संख्या बढ़ती जा रही है। वाल्मिकीनगर टाइगर रिजर्व बिहार का एकमात्र टाइगर रिजर्व है। इसे देश का पांचवां सर्वश्रेष्ठ टाइगर रिजर्व और वन्य जीव अभयारण्य माना जाता है। यहां रॉयल बंगाल टाइगर प्रजाति के बाघ हैं। यहां से निकले एक बाघ ने सिर्फ सितंबर महीने में ही छह लोगों की जान ले ली। इसके अलावा कई लोग घायल हुए हुए और कई मवेशियों की भी जान गई। इस कारण आसपास के करीब 50 से अधिक गांवों के लोग एक महीने से ज्यादा समय से डर के साये में जी रहे थे। आखिरकार बाघ को नरभक्षी घोषित कर उसे मार दिया गया। बहरहाल, ऐसी समस्या पैदा होने का यह पहला मामला नहीं है। बल्कि कई अन्य अभयारण्यों के पास भी जानवर अक्सर आसपास के रिहायशी इलाकों में घुस जाते हैं।

हंगर बनाम हेडलाइन

भारत ने ताजा ग्लोबल हंगर इंडेक्स पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। उसने ना सिर्फ इसे तैयार करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं, बल्कि इसे भारत को बदनाम करने की कोशिशों का हिस्सा बताया है। भारत सरकार ने कहा है कि ऐसी रिपोर्टों के जरिए दुनिया में यह धारणा बनाने की कोशिश की जा रही है कि भारत अपनी पूरी आबादी को पोषक भोजन देने में भी नाकाम है। यह बात सच है कि इस इंडेक्स से ऐसी धारणा बनती है। या अगर हाल के वर्षों में इस सूचकांक पर भारत का जो हाल दिखा है, उसके आधार पर यह भी कहा जा सकता है कि इससे यह धारणा और पुख्ता होती गई है। बल्कि न सिर्फ हंगर इंडेक्स, बल्कि विकास के तमाम जारी होने वाले सूचकांकों पर यही तस्वीर दिखती है। उन सबको लेकर मोटे तौर पर भारत सरकार का नजरिया यही रहा कि ऐसे आईने खराब हो चुके हैं। उनमें भारत की तस्वीर खराब नजर आती है, तो दोष आईनों का है– भारत की असली सूरत तो असल में निखरती गई है। ये वो हेडलाइन है, जिसे अपने घरेलू समर्थक वर्ग में मौजूदा सत्ताधारी समूह ने प्रचारित किया है।सत्ताधारी दल को यह मालूम है कि उसकी असली राजनीतिक पूंजी ऐसी ही हेडलाइन्स हैं, जो उसके समर्थक तबकों भारतीय चेहरे को ऐसे मेकअप के साथ पेश करते हैं, जिनसे उनमें यह भरोसा बना हुआ है कि भारत 'विश्व गुरु' बनने की राह पर है। इसलिए भारत सरकार की कड़ी प्रतिक्रिया ना तो अनपेक्षित और ना ही अस्वाभाविक है। बहरहाल, यह सवाल विचारणीय है कि आखिर दुनिया की तमाम संस्थाओं को अब भारत से क्या दुश्मनी हो गई है कि वे भारत को बदनाम करने की किसी साझा कोशिश का हिस्सा बन जाएंगी?

दीपक संस्कृति की विविधता में एकता

ऊं सच्चिदानन्दरूपाय नमोस्तु परमात्मने।
ज्योतिर्मयस्वरूपाय विष्वमांगल्यमूर्तये।।

मनुष्य ने प्रकाशमान स्वरूप वाले विश्व कल्याण मूर्तिमान के रूप में सच्चिदानन्द अर्थात सत्चित्त और आनंदमयी परमात्मा की कल्पना की है। इस परिप्रेक्ष्य में ऋग्वेद की ऋचाओं में विष्वव्यापी ब्रह्मांड को एक महामानव अर्थात विराट पुरुश माना गया है। इस विराट पुरुश का नृत्य सूर्य है, मन चंद्रमा और उसके कान एवं प्राण वायु है। इसका मुख अग्नि, नाभि अंतरिक्ष, मस्तक द्युलोक और इसके पैर पृथ्वी हैं। इसी अलोकित ब्रह्मांडीय पुरुश से मानव समुदायों का निर्माण माना गया है। अब आधुनिक वैज्ञानिक भी मानने लगे हैं कि ब्रह्मांड के स्वरूप में जो भी कुछ है, उसी का लघु रूप मनुष्य के शरीर और मस्तक में है। इसीलिए मनुष्य ने अनवरत प्रकाशित रहने वाली ऐसी मूर्ति की कल्पना की है, जो मानव कल्याण के लिए प्रकाशमान बनी रहे। हजारों साल से भारत में प्रकाश पर्व के रूप में दीपावली मनाई जा रही है। इस लंबे कालखंड में भारत पर अनेक आक्रमण हुए। तलवार के बूते धर्म और संस्कृति बदलने के उपक्रम किए गए, लेकिन दीपावली के पर्व को रोशन करने वाली दीप संस्कृति इन बदलावों से अछूती रहती हुई आज भी भारत के सांस्कृतिक वैभव को प्रकाशित कर रही है। जिन सांस्कृतिक धरोहरों को आक्रांताओं ने खंडित करके उनके वैभव को हर लिया था, उन धरोहरों अयोध्या के राम मंदिर, वाराणसी के काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकाल का सांस्कृतिक वैभव लाखों दीपकों के प्रकाश से फिर उज्जवल हो उठा है। कालांतर में इस प्रकाश के विस्तार की किरण कृष्ण जन्मभूमि को भी आलोकित करने वाली है। अतएव इस दीप पर्व पर दीपकों की विपरीत समय में भी अक्षुण्ण बनी रही संस्कृति और उसके महत्व को जानते हैं।

दीपावली प्रकाश पर्व है। यानी अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व है। आदिकाल से चली आ रही सांस्कृतिक यात्रा का यह त्यौहार सामाजिक जीवन में प्रसन्नता, समरसता और मंगल का प्रतीक है। इस कालखण्ड में मानव ने मिट्टी, पत्थर, काठ, मोम और धातुओं के स्वरूप में हजारों तरह के शिल्प में दीपक गढ़े हैं। शुरूआत में दीवाली की मुख्य भावना दीप दान से जुड़ी थी। प्रकाश के इस दान को पुण्य का सबसे बड़ा कर्म माना जाता था। दीपों के कलात्मक आकार में मनुष्य की कल्पना व संवेदनशील उंगलियों का इतिहास भी अंकित है। इस जगत में जीवन जीने के लिए प्रत्येक प्राणी को उजाले की जरूरत पड़ती है। बिना उजाले के वह कोई कार्य सुरुचिपूर्ण ढंग से संपन्न नहीं कर पाता है। वैसे तो सबसे अधिक महत्वपूर्ण व उपयोगी प्रकाश सूर्य का है। इसके प्रकाश में ही अन्य सभी प्रकार के प्रकाश समाविष्ट रहते हैं। इसीलिए दीवाली को प्रकाश का पर्व कहा जाता है। कहा भी गया है,

शुभं करोति कल्याण आरोग्यं सुख संपदम्।
शत्रु बुद्धि विनाशं च दीपज्योतिः नमोस्तुते।।

शुरूआती दौर में सीपियों का दीपक के रूप में उपयोग किया जाता था। इसमें रोशनी पैदा करने के लिए चर्बी डाली जाती थी और बाती के रूप में घास या कपास की ही बत्ती होती थी। इसके बाद पत्थर

और काठ के दीपक अस्तित्व में आए। तत्पश्चात मिट्टी के दिए बनाए जाने लगे। कुम्हार के चाक की खोज के बाद तो मिट्टी के दीए अनूठे व आकर्षक शिल्पों में अवतरित होने लगे और ये घर-घर आलोक-स्तंभ के रूप में स्थापित हो गए। धातुओं की खोज और उन्हें मनुष्य के लिए उपयोगी बनाए जाने के बाद बड़े लोगों के घरों व महलों की शोभा धातु के दिए बनने लगे। जो वैभव का प्रतीक भी थे। स्वर्ण, कांसा, तांबा, पीतल और लोहे के दीयों का प्रचलन शुरू हुआ। इसमें पीतल के दीपकों को बेहद लोकप्रियता मिली। रामायण और महाभारत में भी 'रत्नदीपों' का उल्लेख देखने को मिलता है। कालांतर में एकमुखी से बहुमुखी दीपक बनाए जाने लगे। इनकी मूठ भी कलात्मक और पकड़ने में सुविधा जनक बनायी जाने लगी। सत्रह-अठारहवीं सदी में दीपकों को अनेक प्रकार के पशु-पक्षियों व अप्सराओं के रूप में ढाला जाने लगा। इस समय 'मयूरा धूप दीपक' का चलन खूब था। इसकी आकृति नाचते हुए मोर की तरह होती है। इसके पंजों के ऊपर बत्ती रखने के लिए पांच कटोरे बने होते हैं। मोर के ऊपर बन छेदों में अगरबत्तियां लगाई जाती हैं।

राजे-रजवाड़े के कालखंड में छत से लटके दीपों का प्रचलन खूब था। ये परी, पशु, पक्षी और देवी-देवताओं की आकृतियों से सजे रहते थे। सांकल से लटके हंस और कबूतरों के पंजों पर तीन से पांच दीपक बनाए जाते थे। कालांतर में दीपकों में नायाब परिवर्तन आए। इस समय गोल लटकने वाले कलात्मक दीपक ज्यादा संख्या में बने इसके अलावा आठ कोनों वाले, गुम्बदाकार व ऐसे ही अन्य प्रकार के दीपक बनाए जाने लगे। इन दीपकों में से रोशनी बाहर झांकती थी।

जब दीपक सैंकड़ों आकार-प्रकारों में सामने आ गए तो इनकी सुचारू रूप से उपयोगिता के लिए 'दीपशास्त्र' भी लिख दिया गया। जिसमें दीपक जलाने के लिए गाय के घी को सबसे ज्यादा उपयोगी बताया गया। घी के विकल्प के रूप में सरसों के तेल का विकल्प दिया गया। कपास से कई प्रकार की बत्तियां बनाने के तरीके भी दीपशास्त्र में सुझाए गए हैं। दीपावली पर देश में घी और सरसों के तेल से ही दीपक प्रज्वलित किए जाते हैं। लहवीं सदी में तो संगीत के एक राग के रूप में 'दीपक-राग' की भी महत्ता व उपलब्धि है। इस संदर्भ में जनश्रुति है कि संगीत सम्राट तानसेन द्वारा दीपक राग के गाए जाने पर मुगल सम्राट अकबर के दरबार में बिना जलाए दीप जल उठे थे। दीपक-राग के गाने के बाद ही तानसेन को 'संगीत सम्राट' की उपाधि से विभूषित किया गया। उज्जैन के हरसिद्धि मंदिर परिसर में दीपों के स्तंभ बने हुए हैं, जिन पर सैंकड़ों दीप एक साथ रखकर जलाए जाते हैं।

प्राचीन भारतीय परंपरा में दीपक के दान से बड़ा महत्व जुड़ा है। महाभारत के 'दान-धर्म-पर्व' में दीपदान के फल की महत्ता दैत्य ऋषि शुक्राचार्य ने दैत्यराज बलि को इस प्रकार समझाई है-

कुलोद्योतो विशुद्धात्मा प्रकाशत्वं च गच्छति।
ज्योतिषां चैव सालोक्यं दीपदाता नरः सदा।।

अर्थात, दीपकों का दान करने वाला व्यक्ति अपने वंश को तेजस्वी व समृद्धशाली बनाने वाला होता है और अंत में वह आलोकमयी लोकों को गमन करता है।

रामायणकाल से पूर्व दीपावली का संबंध बलि कथा के संदर्भ में ही मान्य तथा प्रचलन में था। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को 'बलि प्रतिपदा' भी कहते हैं। इस दिन बलि महाराज की अर्चना भी की जाती है। राजा बलि अपने राज्य में चतुर्दशी से तीन दिन चलते हैं और तीनों दिन दीपदान भी करते हैं। बलि के इस दीपदान से ही इस उत्सव को दीपावली कहा गया है। हरिद्वार में हर की पौड़ी पर गंगा में अपने वंश की समृद्धि के लिए ही प्रतिदिन गंगा की संध्या आरती के समय बड़ी संख्या में दीपदान किए जाते हैं। ऐसा ही वाराणसी के गंगा घाट पर होता है।

प्राचीन भारत में मनुष्य के सभ्य व संस्कारजन्य होने के अनुक्रम में दीपक का महत्व हर एक महत्वपूर्ण उद्देश्य से जुड़ता चला गया। प्रयोजन के अनुसार ही इनका नामांकन हुआ। दीपावली पर जो दीप आकाश में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर टांगा जाने लगा उसे 'आशा-दीप', स्वयंवर के समय जलाए जाने वाले दीप को 'साक्षी-दीप' पूजा वाले दीप को 'अर्चना-दीप' साधना के समय रोशन किए जाने वाले दीप को 'आरती-दीप' मंदिरों के गर्भगृह में अनवरत जलने वाले दीप को 'नंदा-दीप' की संज्ञा दी गई। मंदिरों के प्रवेश द्वार और नगरों के प्रमुख मार्गों पर बनाए जाने वाले दीपकों को 'दीप-स्तंभ' का स्वरूप दिया गया, जिन पर सैंकड़ों दीपक एक साथ प्रकाशमान करने की व्यवस्था की गई।

बहरहाल वर्तमान में भले ही दीपकों का स्थान मोमबत्ती और विद्युत बल्वों ने ले लिया हो, लेकिन प्रकृति से आत्मा का तादात्म्य स्थापित करने वाली भावना के प्रतीक के रूप में जो दीपक जलाए जाते हैं, वे आज भी मिट्टी, पीतल अथवा तांबे के हैं। घी से जज्वलमान यही दीपक हमारे अंतर्मन की कलुशता को धोता है।

-प्रमोद भार्गव

दीपावली पर कैसे जलाएं दीपक

पूजन के समय देवी-देवताओं के सम्मुख दीप उनके तत्व के आधार पर जलाए जाते हैं। देवी मां भगवती के लिए तिल के तेल का दीपक तथा मौली की बाती उत्तम मानी गई है। देवताओं को प्रसन्न करने के लिए देशी घी का दीपक जलाना चाहिए। वहीं शत्रु का दमन करने के लिए सरसों व चमेली का तेल सर्वोत्तम माने गए हैं। देवताओं के अनुकूल बत्तियों को जलाने का भी योग है। भगवान सूर्य नारायण की पूजा एक या सात बत्तियों से करने का विशेष महत्व है। वहीं माता भगवती को नौ बत्तियों का दीपक अर्पित करना सर्वोत्तम माना गया है। हनुमान जी एवं शंकरजी की प्रसन्नता के लिए पांच बत्तियों का दीपक जलाने का विधान है। इससे इन देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। अनुष्ठान में पांच धातुओं सोना, चांदी, कांसा, तांबा और लोहे के दीपक प्रज्ज्वलित करने का महत्व है। दीपक जलाते समय उसके नीचे सप्तधान्य (सात प्रकार का अनाज) रखने से सब प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलने की मान्यता है। यदि दीपक जलाते समय उसके नीचे गेहूँ रखें तो धन-धान्य की वृद्धि होगी, यदि चावल रखें तो महालक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी। इसी प्रकार यदि उसके नीचे काले तिल या उड़द रखें तो स्वयं माँ काली, भैरव, शनि, दस दिक्पाल, क्षेत्रपाल हमारी रक्षा करेंगे, इसलिए दीपक के नीचे किसी न किसी अनाज को रखा जाना चाहिए। साथ में जलते दीपक के अन्दर अगर गुलाब की पंखुड़ी या लौंग रखें तो जीवन अनेक प्रकार की सुगंधियों से भर उठता।

विभिन्न धातुओं के दीपकों का महत्व

सोने के दीपक को वेदी के मध्य भाग में गेहूँ का आसन देकर और चारों तरफ लाल कमल या गुलाब के फूल की पंखुड़ियां बिखेर कर स्थापित करें। इसमें गाय का शुद्ध घी डालें तथा बत्ती लंबी बनाएं और इसका मुख पूर्व की ओर करें। सोने के दीपक में गाय का शुद्ध घी डालते हैं तो घर में हर प्रकार की उन्नति होती है। इससे धन तथा बुद्धि में निरंतर वृद्धि होती है। बुद्धि सभी बुरी वृत्तियों से सावधान करती रहेगी तथा धन पवित्र स्त्रोतों से प्राप्त होगा। पूजन में चांदी के दीपक को चावलों का आसन देकर सफेद गुलाब या अन्य सफेद फूलों की पंखुड़ियों को चारों तरफ बिखेर कर पूर्व दिशा में स्थापित करें। इसमें शुद्ध देशी घी का प्रयोग करें। चांदी का दीपक जलाने से घर में सात्विक धन की वृद्धि होती है। तांबे के दीपक को लाल मसूर की दाल का आसन देकर और चारों तरफ लाल फूलों की पंखुड़ियों को बिखेर कर दक्षिण दिशा में स्थापित करें। इसमें तिल का तेल डालें और बत्ती लंबी जलाएं। तांबे के दीपक में तिल का तेल डालने से मनोबल में वृद्धि होगी तथा अनिष्टों का नाश होगा। कांसे के दीपक को चने की दाल का आसन देकर तथा चारों तरफ पीले फूलों की पंखुड़ियां बिखेर कर उत्तर दिशा में स्थापित करें। इसमें तिल का तेल डालें। कांसे का दीपक जलाने से धन की स्थिरता बनी रहती है। अर्थात जीवन पर्यन्त धन बना रहता है। लोहे के दीपक को उड़द दाल का आसन देकर चारों तरफ काले या गहरे नीले रंग के पुष्पों की पंखुड़ियां बिखेर कर पश्चिम दिशा में स्थापित करें। इसमें सरसों का तेल डालें। लोहे के दीपक में सरसों के तेल की ज्योति जलाने से अनिष्ट तथा दुर्घटनाओं से बचाव हो जाता है।

आपका राशिफल 20 अक्टूबर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) – यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) – लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) – दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) – विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) – शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) – आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) – व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) – समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) – जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) – कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) – अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

फिल्म वर्ग पहेली - 5963

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 5962

रि	फ्यु	जी	■	बे	मि	सा	ल	■	क
शि	■	न	म्र	ता	■	या	■	फ	र्ज
ता	क	त	■	बी	ना	■	सु	र	■
■	र्त	■	श	■	स्ति	■	■	दी	पा
दि	व्य	श	क्ति	■	क	न्या	दा	न	■
ल	■	त्रु	■	रे	■	■	ग	■	ई
से	ह	रा	■	श	मीं	ली	■	घा	त
■	थि	■	स	नी	■	ला	रा	■	का
द	या	वा	न	■	पाँ	■	जा	लि	म
स	र	■	म	न	च	ली	■	सा	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

नींद आएगी अच्छी रोज लगाएं पैरों के तलवों में तेल

सारे दिन की थकान दूर करने के लिए सबसे फायदेमंद तेल ही माना जाता है। जैसे सिर की मालिश करने से सिर दर्द से राहत मिलती है। वैसे ही शरीर के अन्य अंगों की यदि मालिश की जाए तो रक्त संचार बेहतर होता है और कई फायदे भी मिलते हैं। पैरों के तलवों में तेल लगाना भी बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। इससे आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिलेंगे। तो चलिए आपको बताते हैं कि पैरों में तेल लगाने से क्या-क्या फायदे होंगे...

जोड़ों का दर्द होगा दूर

पैरों में तेल लगाने से पैर की हड्डियां मजबूत बनती हैं। इसके अलावा जोड़ों के दर्द और जकड़न से भी राहत मिलती है। तलवे भी मजबूत होते हैं।

फटी एड़ियां होंगी ठीक

यदि आप नियमित तौर पर पैरों में तेल लगाएंगे तो फटी एड़ियां और दरारें भी ठीक होती हैं। इससे आपके पैर भी कोमल होते हैं। पैरों का दर्द और सूजन जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है।

नींद आएगी अच्छी

अगर आपको रात को नींद अच्छी नहीं आती या बार-बार आंख खुल जाती है तो आप पैरों की तेल से मसाज करके सोएंष। इससे आपकी नींद भी गहरी आएगी और बैचेनी भी दूर होगी।

दबी हुए नसें खुलेंगी

पैर के तलवों में तेल लगाने से आपका रक्त संचार अच्छा होता है। इससे आपके पैरों की दबी हुई नसें खुल जाती हैं। अगर आपकी नसों ने दर्द है तो वह भी ठीक हो जाएगी।

तनाव और चिंता होगी दूर

चिंता और तनाव से राहत पाने के लिए भी आप पैरों के तलवों में तेल लगा सकते हैं। इन समस्याओं से राहत पाने के लिए तेल बहुत ही प्रभावी तरीका है। आप पैरों में तेल लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। आप काफी आरामदायक महसूस करेंगे।

सरसों या नारियल तेल से करें मसाज

आप पैरों के तलवों की मालिश करने के लिए सरसों या फिर नारियल के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा आप देसी घी भी पैरों के तलवों पर लगा सकते हैं। कोई भी तेल या घी इस्तेमाल करने से पहले उसे हल्का गर्म जरुर कर लें। गर्म करके पैरों की मालिश करें।

सूडोकु नवताल- 6475

★★★✯☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6474 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

विचार प्रवाह

रिश्ते खून के नहीं, एहसास के होते हैं और एहसास हो तो अजनबी भी अपने हैं। अगर एहसास न हो तो अपने भी अजनबी हैं। गजब का रिश्ता होता है उनसे, जिनसे कोई रिश्ता नहीं होता। एक अच्छा रिश्ता हवा की तरह होना चाहिए। खामोश मगर हमेशा आसपास।रिश्ता दिल से होना चाहिए और नाराजगी दिल से नहीं, शब्दों में होना चाहिए।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7515

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन,संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय,फतह-2
10. आम जनता,लोग-2
11. लाभ,कुल योग-2
13. निर्माण,कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट,विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह,अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध,रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत,मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी,गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12. वृतांत,घटना-3
16. हल,निष्कर्ष-4
17. राशन,भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -7514 का हल

अ	प	ना	प	न	■	प	क	ना
रा	ल	■	त	■	ख	स	म	■
ज	■	का	न	न	■	■	जो	श
क	ह	र	■	क	र	ता	र	■
ता	■	ग	■	छे	■	र	■	फ
■	ब	र	ग	द	■	ता	मी	र
द	गा	■	■	न	ज	र	■	मा
■	ब	त	न	■	ह	■	पा	ई
फ	त	ह	■	स	र	फ	रो	श

Jagrutidaur.com, Bangalore

उमा भारती बोलीं- सरकार अहाते बंद करा दे, मैं दिया लेकर करूंगी यह काम

भोपाल , यशभारत। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के अहाते बंद कराने की मांग के बाद सरकार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि सरकार ने एक आदेश से शराब पिलाने वाले अहाते बंद कर दिए तो मैं अपने निवास बी-6 श्यामला हिल्स भोपाल से हाथ में दिया लेकर वल्लभ भवन तक आऊंगी और मध्य प्रदेश के शासन एवं प्रशासन की आरती करूंगी एवं जय जयकार करूंगी।

उमा भारती ने मंगलवार को एक के बाद एक पांच ट्वीट किए। भारती ने कहा कि मैं भोपाल के करोंद चौराहे के हनुमान जी को प्रमाण करके स्कूल से लगी हुई शराब दुकान एवं अहाते को देखने गई थी। मैंने कल कहा था कि शराब माफिया अब मुझ पर हमला बोलेगा, दुष्प्रचार करेगा, उल्टी बातें फैलाएगा। यही हमला है।भारती ने कहा कि जो मैंने कहा था उसका स्वरूप आज देखने को मिला, जब चानक पब्लिक से बात करते समय किसी ने यह प्रश्न किया कि आप विपक्ष को सरकार को कमजोर करने का मौका दे रही हैं। तो मेरा सीधा जवाब है कि अहाते गैरकानूनी हैं।उमा भारती ने कहा कि अहातों की अनुमति देना कानून का उल्लंघन है। एक आदेश से यदि हम मध्य प्रदेश के सारे गैरकानूनी तरीके से खुले अहाते बंद कर देते हैं तो सरकार की तो जय-जयकार होगी एवं विपक्ष को कोई मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष को मौका ना मिले इसलिए मैं किसी अधर्म और अन्याय के सामने चुप हो जाऊं ऐसा मैं नहीं कर पाऊंगी। बता दें उमा भारती ने बेहतर शराब नीति के लिए 7 नवंबर से 14 जनवरी तक आवास छोड़कर भ्रमण करने का एलान किया है। इस दौरान वे अहातों के सामने भी टेंट लगा कर बैठेंगी। हाल ही में उन्होंने एक अहाते के सामने धरना दिया। साथ ही उमा भारती ने कहा कि शराब माफिया से उनकी जान को खतरा है।

नरोत्तम बोले हुक्का-लाउंज के लिए कानून ला रहे हैं

तीन साल की सजा और एक लाख जुर्माने का होगा प्रावधान

भोपाल , यशभारत। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिये चौतरफा कार्रवाई की जा रही है। नशा मुक्ति अभियान को प्रदेश में सघनता से चलाया जा रहा है। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि हुक्का बार और लाउंज पर सख्ती से रोक लगाने के लिये सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का निषेध और व्यापार तथा वाणिज्य उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम-2003 (COTPA) में संशोधन किया जा रहा है। नशा मुक्ति अभियान में कोटपा में 3 हजार 814 प्रकरण में 4 हजार 416 आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने बताया कि कोटपा में संशोधन कर हुक्का बार और लाउंज को प्रतिबंधित कर रहे हैं। इसके बाद इसे संचालित करने वालों के खिलाफ न्यूनतम 50 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक के जुर्माना और न्यूनतम एक से तीन साल तक की सजा का प्रावधान प्रस्तावित है। वर्तमान में कोटपा में हुक्का बार एवं लाउंज संचालित करने वालों के खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा-144 में कार्रवाई की जाती है। प्रदेश में अब तक सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 3 हजार 953 लोग के खिलाफ कार्रवाई की गई है। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 1 हजार 783 लोग के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।

अब तक 97 हजार लीटर शराब जब्त

नशा मुक्ति अभियान में अब तक 97 हजार 655 लीटर अवैध शराब जब्त की जिसमें 13 हजार 237 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अब तक एनडीपीएस एक्ट में 205 आरोपियों से 2729.596 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। सिंगरौली में 180 हरे गांजे के पेड़ जब्त किये गये हैं। उज्जैन में 500 लीटर लहान जब्त कर नष्ट की गई।

7000 से अधिक जन जागरूकता कार्यक्रम

नशा मुक्ति के लिये प्रदेश में व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। 8 एवं 9 अक्टूबर को 442, 10 को 542, 11 को 759, 12 को 889, 13 को 806, 14 को 917, 15 को 1012, 16 को 1037 एवं 17 अक्टूबर को 960, कुल 7 हजार 364 जन-जागरूकता कार्यक्रम किए जा चुके हैं।

महाकाल लोक बनाने वाले मजदूरों को शिवराज ने परोसा भोजन, खुद बैठ कर खाया

भोपाल, उज्जैन, ईएमएस। मध्य प्रदेश का उज्जैन इन दिनों सुर्खियों में है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्जैन के महाकाल लोक का उद्घाटन किया। शिव भक्तों के लिए उज्जैन नगरी हमेशा से आस्था का केंद्र रही है। महाकाल लोक के पहले चरण का निर्माण पूरा हो गया है। आज यानी 18 अक्टूबर 2022 को सीएम शिवराज सिंह चौहान ने महाकाल लोक के दूसरे चरण के निर्माण कार्यों को निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण का काम बहुत तेजी से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निरीक्षण के बाद महाकाल लोक के निर्माण में योगदान देने वाले शिल्पकारों और मजदूरों को भोजन परोसा। इस मौके पर शिवराज ने मजदूरों और शिल्पकारों के साथ बैठकर भोजन भी किया। सीएम ने ट्वीट कर कहा कि च्श्री महाकाल लोक के निर्माण में अतुलनीय योगदान देने वाले शिल्पकार व मजदूर भाइयों-बहनों को आत्मीयता के साथ भोजन परोसा एवं उनके साथ स्वयं बैठकर भोजन भी ग्रहण किया। बता दें कि मंगलवार को शिवराज सिंह चौहान ने महाकाल लोक को लेकर एक बड़ा ऐलान भी किया। चौहान ने कहा कि महाकाल लोक के दूसरे चरण का काम शुरू हो चुका है। काम तेजी से हो रहा है। सीएम ने कहा कि दूसरे चरण का काम पूरा हो जाने के बाद च्श्री महाकाल लोकज्को च्श्री महाकाल महालोकज्के नाम से जाना जाएगा।

मप्र के सभी मेडिकल कॉलेजों में होगी भगवान धन्वंतरि की पूजा

विपक्ष ने कहा यमराज की भी हो पूजा-अर्चना

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश का चिकित्सा शिक्षा विभाग एक और नई पहल शुरू करने जा रहा है। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना की जाएगी। मेडिकल छात्र, डॉक्टर और अस्पताल में मरीजों के परिजन मिलकर भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना करेंगे। यह बात प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने कही है। दरअसल इसे लेकर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य मध्य प्रदेश को स्वस्थ प्रदेश बनाना है हिन्दू मान्यताओं के हसाब से धन्वंतरी भगवान विष्णु भगवान का ही अवतार है। उनकी पूजा स्वास्थ्य लाभ के लिए ही की जाती है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि, हर साल मध्य प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाए। इस बार 22 अक्टूबर को धनतेरस है और चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग भोपाल और इंदौर के मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।मंत्री के इस बयान पर कांग्रेस ने अपनी एक मांग उठाई है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग की घोषणा के बाद सरकार से कांग्रेस ने मांग की है। उन्होंने कहा कि अब धनतेरस पर धन्वंतरि के साथ साथ मृत्यु लोक के देवता यमराज की भी पूजा होनी चाहिए। यह मांग मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने उठाई है। उन्होंने कहा कि धर्म की अधिक जानकारी के लिए मंत्री विश्वास सारंग को अच्छे ज्ञानी पंडित से बात करना चाहिए। क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन यमराज की भी पूजा की जाती है तो उसे भी आगे बढ़ाया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता के के मिश्रा ने ट्वीट कर लिखा कि 18 सालों के

च्धन-मंत्रियोंज्को अब याद आई भगवान च्धनवंतरीज्की याद, मेडिकल कॉलेजों में हर साल होगाज्आरोग्यज्के देवता का पूजन, अब तकज्दिवालीज्मनाते रहे,अब आई च्आरोग्यज्की याद। पहले ही यह सोचते तो कोरोना काल में निर्दोष लाशों के अंबार नहीं लगते ! नौटंकी छोड़ स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान दीजिए। इससे पहले चिकित्सा विभाव द्वारा भोपाल के लाल परेड मैदान में एमबीबीएस हिंदी सिलेबस की किताब का विमोचन हुआ। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहें। मध्य प्रदेश, देश में हिंदी भाषा में एमबीबीएस पाठ्यक्रम शुरू करने वाला पहला राज्य बन गया है। शुरुआत में हिंदी के लिए तीन विषयों का चुना गया है, जिसमें एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री शामिल हैं। वहीं डेंगू के बढ़ते मामलों पर मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि डेंगू के बढ़ते प्रकोप को लेकर सरकार समुचित रोकथाम कर रही है।

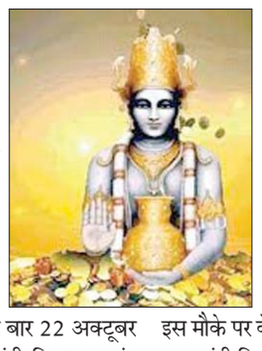

भोपाल में राष्ट्रीय अभिलेखागार की प्रदर्शिनी में दुर्लभ अभिलेखीय दस्तावेज 'तारीख ए सांची' प्रदर्शित

भोपाल ,,एजेंसी। राजधानी भोपाल में राष्ट्रीय अभिलेखागार की प्रदर्शनी में मध्य प्रदेश में सांची के स्मारकों पर लगभग 150 साल पुरानी किताब और तत्कालीन नवाबों से संबंधित अन्य दुर्लभ मूल अभिलेखीय दस्तावेजों को प्रदर्शित किया गया। किताब सुलेश का उपयोग कर उर्दू में लिखी गई है। 1873 में प्रकाशित च्तारिख-ए-सांचीज नामक पुस्तक मूल रूप से अंग्रेजी में प्रकाशित एक पुस्तक का उर्दू अनुवाद है। अधिकारियों ने बताया कि अनुवाद रियासत की तत्कालीन शासक भोपाल की नवाब शाहजहां बेगम के कहने पर किया गया था। 630 पृष्ठों वाली यह दुर्लभ पुस्तक सुलेख का उपयोग करके निर्मित एक पांडुलिपि है, जो एक मात्र हमारे कार्यालय में उपलब्ध है। जिसे एक दिन के लिए सेमिनार के हिस्से के रूप में प्रदर्शित किया है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सांची की साइट में बौद्ध स्मारकों का एक समूह शामिल है। राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) भोपाल सर्कल द्वारा संयुक्त रूप से मंगलवार को च्अभिलेखागार और पुरातत्वज शीर्षक से संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय अभिलेखागार के उप निदेशक संजय गर्ग ने कहा कि राष्ट्रीय अभिलेखागार और एएसआई, जो दोनों संस्कृति मंत्रालय के दायरे में काम करते हैं, एक साथ आए हैं, जो दोनों एजेंसियों के बीच अधिक तालमेल बिठाएंगे, जो दोनों सामग्री और अन्य विरासत के संरक्षण और प्रलेखन से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के तहत इस अवसर पर कुछ पुरातात्विक कलाकृतियों का भी प्रदर्शन किया जा रहा है। एनएआई भोपाल में अभिलेखागार के सहायक निदेशक एन राजू सिंह ने कहा, च्तारीख-ए-सांचीज का मूल से 1873 में एक शिक्षक फैयाजुद्दीन अहमद द्वारा अनुवाद किया गया था, च्लेकिन हम अभी तक अंग्रेजी की पुस्तक नहीं ढूंढ नहीं पाए है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा प्रदर्शनी में जॉन मार्शल के च्सांची के स्मारकज्के तीन खंडों और भोपाल राज्य के तत्कालीन नवाबों से जुड़े कुछ दुर्लभ पत्राचार और अधिसूचनाओं का भी प्रदर्शन कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय में 1840 से 1950 के दशक के अभिलेखीय दस्तावेज हैं ।

बोले- किसानों की आय तो नहीं बढ़ी, उत्पादन लागत जरूर दोगुनी हुई

कमलनाथ का बीजेपी सरकार पर पलटवार

भोपाल , यशभारत। मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। कमलनाथ ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, भाजपा ने सत्ता में आने के पूर्व किसानों की आय दोगुनी करने का वाद किया था। आज किसानों की आय दोगुनी तो नहीं हुई, लेकिन उनकी उत्पादन लागत जरूर दोगुनी हो गई है। पूर्व सीएम ने कहा कि आज किसान खाद-बीज के लिए परेशान हैं। उसे उसकी उपज का सही दाम नहीं मिल पा रहा है। उसे अपनी खराब फसलों का मुआवजा तक नहीं मिला है, वो घाटे के कारण खुद अपनी फसलों को नदी-नाले में बहा रहा है। वो कर्ज के दलदल में निरंतर धंसता जा रहा है। इस स्थिति को देखते हुए ही हमने मध्यप्रदेश में किसान कर्जमाफी योजना प्रारंभ की थी। आज भाजपा सरकार की नीतियों के कारण किसान फिर संकट में है।

मां की शिकायत करने वाले बच्चे को गृह मंत्री की तरफ से मिला तोहफा

टीआई ने घर जाकर दी चॉकलेट और साइकिल

भोपाल,यशभारत। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में 3 साल के मासूम का मां की डांट की शिकायत पुलिस से किए जाने का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ था। जिसके बाद मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इस मासूम बच्चे से वीडियो काल पर बात की और दिवाली त्योहार पर बतौर उपहार चॉकलेट और साइकिल देने का वायदा भी किया। और पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार लोढ़ा के निर्देश पर खकनार थाना प्रभारी के पी धुर्वे ने घर जाकर बच्चे को चॉकलेट और साइकिल बच्चे को तौफे के रूप में दे दी है। दरअसल मासूम बच्चे का ये वायरल वीडियो गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को इतना पसंद आया कि उन्होंने न सिर्फ मासूम से वीडियो काल पर बात की, बल्कि दिवाली त्योहार पर बतौर उपहार चॉकलेट और साइकिल देने का वायदा भी किया। और उस वादे को उन्होंने आज ही पूरा भी किया। बता दें कि यह मामला बुरहानपुर शहर की देड़तलाई पुलिस चौकी का है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बुरहानपुर के देड़तलाई पुलिस चौकी में एक 3 साल का मासूम अपनी मां की शिकायत करने पहुंच गया। तीन साल के बेटे को नहला-धुलाकर मां ने नजर से बचाने काजल का टीका लगाना चाहा। बेटा इससे ना-नुकुर करने लगा। इस पर मां ने उसे प्यार से गाल पर मार दिया। यह बात बेटे को इतनी नागवार गुजरी कि वह मां की शिकायत करने पुलिस चौकी पहुंच गया। जहां बच्चे ने पुलिस से कहा मम्मी मेरी कैंडी और चॉकलेट चुरा लेतीं हैं। उनको जेल में डाल दो। मासूम बच्चे की यह शिकायत सुन पुलिस सहित मौजूद लोग हंसी छूट गई। चौकी प्रभारी ने कागज उठाकर बच्चे की दिखावटी शिकायत लिखी। इस पर बच्चे को हस्ताक्षर करने को कहा। उसने भी पेन थाम कर कागज पर आड़ी-तिरछी लकीरें उकेर दीं।

दिवाली से पहले फिर एक्टिव हुई पर्दा गैंग, अलर्ट रहें

325 बसें दौड़ रही भोपाल में, जेबकट-चाकूबाजी की घटनाएं भी बढ़ी

भोपाल, यशभारत। यदि आप दिवाली की खरीदारी करने सिटी बसों में बैठकर बाजारों में जा रहे हैं तो सावधान हो जाएं...। राजधानी भोपाल में च्पर्दा गैंगज फिर से एक्टिव हो गई है। कुछ सिटी बसों में च्पर्दा गैंगज और जेबकट गैंग की मौजूदगी सामने आई है। बसों में लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों में खुलासा होने के बाद पुलिस और क्चष्टरु के अधिकारी-कर्मचारी चेकिंग करने मैदान में उतर गए हैं। यह चेकिंग त्योहार और उसके बाद भी चलती रहेगी। शहर में पिछले एक महीने के भीतर बसों में चोरी की वारदातें सामने

आ चुकी हैं। सितंबर में ही पुलिसकर्मी और नर्स को पर्दा गैंग शिकार बना चुकी है। यह गैंग 10 से 12 सेकंड में ही पर्स या बैग से रुपए और सामान उ?ा देती है। सीसीटीवी कैमरों में गैंग के वीडियो भी सामने आ चुके हैं। इसके बाद महापौर मालती राय ने पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर को लेटर भी लिखा था। ताकि, बसों में नियमित चेकिंग हो सके। महापौर के लेटर लिखने के करीब 15 दिन बीतने के बाद भी चेकिंग शुरू नहीं हुई। ऐसे में पर्दा और जेब कट गैंग फिर से एक्टिव हो गई। तीन दिन पहले ही हलालपुरा बस स्टैंड पर खड़ी सिटी बस में जेब कटी का विरोध करने पर दो जेबकतरों ने एक यात्री पर छुरे से हमला कर दिया था। इससे यात्री लहूलुहान हो गया। ये मामले सामने आने के बाद पुलिस चेकिंग करने के लिए उतर गई। मंगलवार को ही कई बसों में चेकिंग की गई। यह चेकिंग लगातार चलेगी।भोपाल में 325 सिटी बसें दौड़ती हैं, जिनमें रोज एवरेज सवा लाख यात्री सफर करते हैं। सितंबर में सामने आई 2 वारदात ने च्पर्दा गैंगज का खुलासा किया है। ये वो वारदात हैं, जिन्हें लेकर शिकायतें हुई हैं, लेकिन ड्राइवर और कंडक्टरों की मानें तो हर दूसरे-तीसरे दिन पर्स-बैग से रुपए या अन्य सामान चोरी हो रहा है। शिकायत न होने पर आगे कार्रवाई नहीं कर पाते। यदि आप बस में सफर कर रहे हैं तो किराए के लिए रुपए पहले से अलग रख लें।

21 साल की पीड़िता ने भोपाल दर्ज कराई एफआईआर

पत्नी की अदला-बदली और अप्राकृतिक संबंध की दर्दनाक कहानी

भोपाल, ईएमएस। राजस्थान के बीकानेर जिले से भोपाल पहुंची एक विवाहिता ने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस को दी अपनी रिपोर्ट में महिला ने कहा कि उसका पति पर वाइफ स्वैपिंग (पत्नी की अदला-बदली) वाली पार्टी में शामिल होने का दबाव बनाता है। पीड़िता का पति चाहता है कि वह पार्टी में शामिल होकर गैर मर्दों के साथ शरीरिक संबंध बनाए। इसके लेकर पीड़िता ने विरोध किया तो

आरोपी पति उसके साथ मारपीट कर अप्राकृतिक संबंध (अननेचुरल सेक्स) बनाने लगा। साथ ही उससे 50 लाख रुपये के दहेज की भी मांग की गई। आरोपी की शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर पीड़िता बीमारी का बहाना बनाकर अपने पीहर भोपाल पहुंची। परिजनों को मामले की जानकारी देकर आरोपी पति के खिलाफ थान में केस दर्ज कराया। पुलिस को दी अपनी शिकायत में 21 साल की पीड़िता ने बताया कि वह मप्र की राजधानी भोपाल के कोहेफिजा थाना इलाके की रहने वाली है। इस साल उसका निकाह मोहम्मद अम्मार के साथ हुआ था। मोहम्मद बीकानेर के एक पांच सितारा होटल में मैनेजर है। निकाह के बाद से वह बीकानेर में अपने पति के साथ रह रही थी। पीड़िता का आरोप है कि निकाह के कुछ दिन बाद ही उसका पति उस पर वाइफ स्वैपिंग पार्टी में शामिल होने और उसका हिस्सा बनने का दबाव बनाने लगा।

12 सौ के पार हुए डेंगू के मामल :भोपाल में सबसे ज्यादा केस

भोपाल, यशभारत। मप्र में डेंगू के मामले लगातार ब?ते जा रहे हैं। प्रदेश भर में डेंगू के मरीजों की संख्या 1246 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा हालात राजधानी में खराब हैं। भोपाल में अब तक 271 मरीज मिल चुके हैं दूसरे नंबर पर ग्वालियर में 201 केस मिल चुके हैं। तीसरे नंबर पर विदिशा में मामले तेजी से बढ़रहे हैं विदिशा में अब तक डेंगू के 165 मामले सामने आ चुके हैं। जबलपुर में 106, इंदौर में 72, मुरैना में 64, रीवा, दमोह में 41, रायसेन, सिवनी में 27, दतिया में 22, सागर में 20, धार में 17, भिंड में 15, खरगोन, सीहोर में 12, रतलाम में 9, बुरहानपुर, कटनी, होशंगाबाद में 8, मंदसौर, हरदा, राजग?, सतना में 7, शिवपुरी, श्योपुर, उमरिया में 6, अलीराजपुर, बैतूल,सीधी, शहडोल, पन्ना, डिंडोरी में 5, देवास, सिंगरौली में 4, टीकमग?, नरसिंहपुर में 3, अशोकनगर, अनूपपुर, छतरपुर, मंडला में दो-दो और बड़वानी, गुना में एक-एक डेंगू का मरीज मिल चुका है। डेंगू के मरीज सबसे ज्यादा राजधानी भोपाल में बढ़ रहे हैं। हालांकि अफसर कहते हैं कि डेंगू के मामले कंट्रोल में हैं।

सीएम हेल्पलाइन पर लेने-देन की शिकायत आई हैं

कलेक्टर- FIR कर 5 सचिव निलंबित किए हैं

भोपाल यशभारत। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को दमोह जिले की समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सीएम हेल्प लाइन में कितनी शिकायतें हैं? किस्त प्राप्त के लिए लेनदेन की शिकायत आई हैं। इस पर दमोह कलेक्टर ने जवाब दिया कि इसमें एफआईआर दर्ज की है। अनुचित राशि की मांग पर 7 ग्राम सेवकों पर कार्रवाई और 5 सचिव निलंबित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुचित पैसा किसी ने मांगा है तो उसको जेल भेजे। ये मैं किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करूंगा। किसी भी कीमत पर जीरो टोरलेंस की नीति अपनाएं।

राशन वितरण को लेकर जिला प्रशासन की तरफ से जानकारी दी गई कि सितंबर में 91 प्रतिशत वितरण किया गया। इस पर मुख्यमंत्री ने पूछा कि 100 प्रतिशत वितरण क्यों नहीं हो रहा? अब तो वन नेशन वन राशनकार्ड के तहत कहीं से भी राशन ले सकते हैं। राशन में गड़बड़ी की कितनी शिकायत हैं। दमोह कलेक्टर ने जवाब दिया कि सितंबर में कुछ शिकायत आई हैं। 5 दुकानों पर स्नढ्ढक्र की कार्रवाई प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे पास भी शिकायतें आई हैं, इनकी जांच करे और कार्यवाई करें। इन मामलों में जो भो दोषी हो तुरंत स्नढ्ढक्र कर जेल भेजो। सख्त कार्रवाई ही एक मात्र इनका इलाज है। सीएम ने कहा कि नशे के खिलाफ जो अभियान चल रहा है, उसमें कुछ हुआ है या नहीं? नशे काअवैध काम करने वालों की कमर तोड़ दो। यह गांव में दुकानों में बिक रही है, या चोरी छिपे बिक रही है। यह बिल्कुल नहीं होना चाहिए। नीचे भी अच्छे से चेक करें, वरना अभियान के नाम पर पैसे लेने देने लगे। यह बहुत पवित्र उद्देश्य से हम कर रहे हैं। इसलिए मैं इस ात के लिए बधाई देता हूं कि आप जागरूकता अभियान भी चला रहे हैं। केवल डंडा चलाने से काम नहीं चलेगा, जो लोग पीते हैं। उन्हें समझाना भी है कि नशा नाश की जड़ हैं। ओर परिवार, पैसा और शरीर को तबाह कर देता हैं। दमोह जिला प्रशासन के अधिकारियों ने सीएम को बताया क जिले में अभी और प्रयास करने की जरूरत है। सितंबर 2022 तक हमने 1680 प्रकरण किए हैं। इसमें काफी मात्रा में शराब पकड़ी और पूर्णतन्नशा मुक्ति का प्रयास कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि ओर नीचे भी आप ये चेक करके रखो कि कोई अभियान के नाम पर पैसे देने-लेने ना लगे, कोई गड़बड़ ना कर दे। उन्होंने कमिश्नर और आईजी से पूछा कि कैसे चेक करते है। इस पर अधिकारी ने जवाब दिया कि पूरे संभाग में बहुत अच्छा काम चल रहा है। 17 से अधिक प्रकरण शराब के खिलाफ और 45 एनडीपीएस की कार्रवाई की गई है।

गोदाम में लगी आग लाखों का इलेक्ट्रॉनिक माल हुआ जलकर ख़ाक

गाडरवारा(यश भारत) नगर के पटेल वार्ड में मंगलवार कि सुबह करीब 5 बजे को घर में बनी एक गोदाम में अचानक आग भभक गई। जिससे दीपावली पर बिक्री के लिए खरीदकर रखा गया करीब 20 लाख रूपये का इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर खाक हो गया। आग की तेज लपटें इस तरह उठीं और धुआं फैला कि घर में रहने वाले परिवार को महिलाओं-बच्चों समेत खिड़की से कूंदकर जान बचाना पड़ी। यह घटना मंगलवार की सुबह करीब 5 बजे की बताई जा रही है। आसपास के लोगों ने आपको बुझाने में काफी सहयोग किया नगर पालिका की फायर बिग्रेड पहुंची लेकिन गलियां होने के कारण अंदर नहीं पहुंच सकी पानी टैंकर एवं आसपास के लोगों द्वारा पानी डालकर आंख पर काबू पाया गया। ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है कि आग लगने की वजह शार्ट सर्किट है। आगजनी की घटना में 3 लोग आग से झुलस भी गए रवि ,नीरज, भूपेंद्र हेमबानी का उपचार चिकित्सालय में जारी है ।गाडरवारा के मन्नत कांप्लेक्स में निवासी नीरज पिता आलमचंद

हेमवानी की इलेक्ट्रानिक्स सामान की दुकान है। पटेल वार्ड में परिवार जहां रहता है उसी घर के एक हिस्से में गोदाम हैं जहां पर इलेक्ट्रॉनिक सामान विक्रय करने के लिए बड़ी मात्रा रखा था । परिजनों ने बताया कि ने बताया कि मंगलवार की सुबह जब आग लगने से उठते धुएं और लपटों को देखा तो उसे पूरा परिवार दहल उठा। कमरे का दरवाजा बंद होने से उसने आवाज देर से सुनी। जब कमरा खोलकर देखा तो बाहर आग ही आग नजर आ रही थी और काफी तेज धुआं उठ रहा था जिससे सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। तत्काल परिवार की महिलाओं और बच्चों को खिड़की से बाजू वाले बिरजू कोरी के मकान पर करीब 10-15 फीट नीचे लगे टीन पर सावधानी से फेंका ताकि वह सुरक्षित रह सकें। इस दौरान तीनो भाई तेज लपटों के कारण थोड़ा झुलस गए। काफी देर के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका। व्यापारी के अनुसार घटना से उसे करीब 20 लाख रूपये का नुकसान हो गया है। त्योहार पर विक्रय करने के लिए उसने टीवी, फ्रिज समेत कई कीमती सामान गोदाम में रखे थे।लेकिन आग की घटना ने सब बर्बाद कर दिया।परिवार के ही शंकर हेमवानी ने बताया कि एक दिन पहले ही दुकान के लिए सामान खरीदकर लाया गया था। इलाज कराने भेजा अस्पताल~घटना के बाद आग की लपटों से प्रभावित भूपेंद्र हेमवानी, नीरज और रवि हेमवानी को सिविल अस्पताल गाडरवारा में भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार हो रहा।

विधायक नंदनी मरावी ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी

कुंडम, यशभारत। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से आरंभ हुए सेवा पखवाड़ा के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 17 सितंबर से 31 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत आज जनपद पंचायत कुंडम के अंतर्गत ग्राम बैरागी में मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान चलाया गया एवं समस्त कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई एवं अन्य योजना की जानकारी प्रदान करते हुए श्रीमती नंदनी मरावी विधायक ने पीएम एवं सीएम द्वारा चलाई जा रही योजना के बारे में बताया एवं अन्य योजनाओं की जानकारी दी इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष बरकडे,जनपद अध्यक्ष सुरेंद्र धुर्वे,जनपद उपाध्यछ सुरेंद्र ठाकुर मंडल अध्यक्ष राजेश साहू कमलेश साहू, सतीश अवस्थी, विजय बहादुर परस्ते, अमित झारिया,विनोद मार्को, जनपद सदस्य श्रीमती वंदना मार्को, चून्नू साहू, मुन्ना सिंह मार्को बूथ अध्यक्ष, सरपंच श्रीमती सोमवती बाई, उपसरपंच सुभानखान,बसंती बाई, जीराबाई, अंजुल नाजिया, साजदा बी, असगरी बी, मुस्तफा खान, सहित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं अधिकारी गण ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान

कुंडम, यशभारत। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन से आरंभ हुये सेवा पखवाड़ा के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 17 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक चलाये जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत आज जनपद पंचायत कुंडम के अंतर्गत सदाफल, गुरैया, धनवाही, फिफरी, तिलसानी, भजिया, खिंनहा, बैरागी,मै सिहोरा,कुंडम विधानसभा की लोकप्रिय विधायक श्रीमती नंदनी मरावी जिला पंचायत जबलपुर अध्यक्ष संतोष बरकडे की मुख्यातिथ्य में, एवं कुण्डम जनपद अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र सिंह धुर्वे जनपद उपाध्यछ सुरेंद्र ठाकुर की विशिष्ट अतिथि में द्वितीय चरण के शिवरों का आयोजन किया गया,एवं प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर स्वीकृत आदेश प्रदान किया गया जिसमें गरीब परिवारों के लिए चलाई जा रही पीएम, सीएम खाद्यान्न योजना हितग्राहियों को अनाज का वितरण किया गया व लाडली लक्ष्मी, आयुष्मान कार्ड, कल्याणी विधवा पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना एवं अन्य योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गई धनवाही मे 99लाख 66 हजार का सी,सी रोड 1कि,मी, एवं बघराजी रोड महुआ चौराहा से पिटकुही खुर्द एवं प्राथमिक शाला फिफरी की बाउंड्री वॉल,5 लाख रुपए का भूमिपूजन किया गया इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री राजेश साहू,बघराजी मण्डल अध्यक्ष महेंद्र बरकडे, कमलेश साहू सांसद प्रतिनिधि सतीश अवस्थी, विजय बहादुर परसते, वीरेंद्र सिंह ठाकुर सहायक यंत्री,जनपद सदस्य वंदना मार्को, चून्नू साहू, विनोद मार्को,प्रमोद दिवेदी,सरपंच उमा बाई, चेन सिंह, रमेश भवेदी, सुम्मत सिंह, सुरेश सिंह, फूल बाई, सुमतिया बाई, सोमवती बाई, जनपद सदस्य अनूप सिंह,सुभास साहू, दिलीप मरावी, हेमराज झारिया, सुरेश साहू, अशोक ठाकुर, सहित जनपद पंचायत कुंडम के अधिकारी गण एवं समस्त ग्राम वासी उपस्थित रहे।

रामदास यादव पुनः बने शहर जिला अध्यक्ष जबलपुर

जबलपुर, यशभारत। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा मध्य प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव जी ने जबलपुर यादव महासभा के रामदास यादव की सक्रियता को देखते हुए पुनः दोबारा जबलपुर जिला शहर अध्यक्ष नियुक्त किया। रामदास यादव की नियुक्ति पर वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद यादव, दिनेश यादव, भारत सिंह यादव, विधायक संजय यादव, सुखदेव यादव, सुश्री मधु यादव, सुरेश यादव, पुष्पेंद्र यादव, पत्रकार विनोद यादव, गोविंद यादव, चंदन सिंह यादव, नरेश यादव, रवि शंकर यादव (रब्बू), पूर्व मंडी अध्यक्ष प्रदीप यादव, रजनीश यादव, संजय यादव रीगल, रवि यादव, भद्दी यादव, डेलन यादव, श्याम यादव, रामसेवक यादव, दीपचंद यादव, रामकुमार यादव, सीताराम यादव, बालबोध यादव, नारायण यादव, पार्षद ऋषि यादव, पूर्व पार्षद प्रदीप यादव, मनोज यादव, पार्षद हर्षित यादव, एडवोकेट विशाल यादव, एडवोकेट अवनीश यादव, पवन यादव, राजू यादव, सुरेंद्र यादव आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

संविदा कर्मियों की हो रही अनदेखी

प्रदेश के लाखों संविदा कर्मी नियमित होने के इंतजार में

पनागर , यशभारत। मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त महामोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह ठाकुर ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि प्रदेश में लाखों संविदा कर्मचारी विभिन्न विभागों में अपनी सेवा लगभग 20 वर्षो से विभाग में संविदा नियुक्ति पर देते आ रहे हैं परंतु उन्हे आज दिनांक तक नियमित नहीं किया गया। साथ ही ये संविदा कर्मी सभी विभागों में नियमित कर्मचारियों के समान ही महत्वपूर्ण दायित्वों में पूर्ण निष्ठा से कार्य करते आ रहे है, परंतु वेतन उन्हे समान कार्य समान वेतन के अनुसार या उसके अनुरूप नहीं मिलता जबकि ये संविदा कर्मी अपनी पूरी लगन और मेंहनत से ईमानदारी से अपने कार्यो का निर्वहन करते है परंतु उन्हे वे सभी वित्तीय लाभ नहीं मिलते जो नियमित कर्मचारियों को मिलते हैं। शासन-प्रशासन के द्वारा उन्हे समय-समय पर आश्वासन तो मिलता रहा है कि उन्हे अति शीघ्र नियमित किया जाएगा परंतु आज दिनांक तक किसी प्रकार का आदेश जारी नहीं हुआ। जिससे वे मानसिक रूप से हताश एवं परेशान और हलाकान हैं कि आखिर विभागों के द्वारा पूरा कार्य उनसे लिया जाता है या यूं कहें कि कई विभागों के कार्य संविदा कर्मचारियों पर ही निर्भर करते हैं परंतु उन्हे वे लाभ नहीं मिलते जो नियमित कर्मचारियों को मिलते हैं, अतः इन्हे नियमित किया जाना चाहिए।

संयुक्त महामोर्चे के जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह ठाकुर ने आगे बताया कि ये संविदा कर्मी प्रदेश के विभिन्न कार्यालयों जैसे जिला शिक्षा केन्द्र, बी.आर.सी. कार्यालय, कलेक्ट्रेट,जिला पंचायत, तहसील कार्यालय,जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और बी.ई.ओ कार्यालयों में ऑपरेटर,लेखा सहायक तथा एकाउन्टेंड के रूप में कार्य करते आ रहे हैं साथ ही स्वास्थ से संबधित कार्यालयों एवं अस्पतालों जैसे मेडिकल, विक्टोरिया एवं अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में आयुष चिकित्सक, फार्मासिस्ट,लैब टेक्निशयन स्टॉफ नर्स,डाटा मेनेजर तथा अन्य समस्त पेरामेडीकल स्टॉफ के रूप में ये लम्बे समय से न्यूनतम वेतन पर कार्य करते आ रहे है। वहीं समय-समय पर संविदा कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन एवं हड़तालें की गयी और शासन-प्रशासन के द्वारा इन्हे नियमित करने का आश्वासन भी दिया गया परंतु कभी भी अपनी घोषणाओं पर शासन द्वारा अमल नहीं किया गया परन्तु आज भी ये संविदा कर्मचारी नियमित्ता को लेकर आश्वसत हैं कि कभी तो इनकी सुनी जाएगी। मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त महामोर्चे के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह ठाकुर,धर्मेंद्र परिहार,भास्कर गुप्ता,दिनेश गौड़,हेमंत ठाकरे,राकेश श्रीवास,समर सिंह,अजब सिंह,नितिन तिवारी,विश्वनाथ सिंह,आकाश भील,शहीर मुमताज़,क्रिस्टोफर नरोन्हा, योगेश ठाकरे,रॉबर्ट फ्रांसिस,विनोद सिंह,इमरत सेन,दुर्गेश खातरकर,राकेश मून, दीपक अहिरवार,आर पी खनाल,संतोष चौरसिया,फिलिप अन्थोनी ,नितिन सोनी,शरीफ अंसारी, एस.बी.रजक,अशोक परस्ते,अनूप डाहट, निलेश खरे,रउफ खान,आसाराम झरिया,झारिया,भागीरथ सिंह,लक्ष्मण झारिया,त्रिलोक सिंह, समर सिंह ठाकुर,रामकुमार कतिया, राजेश सहारिया, नीलेश पटेल, सुनील श्रीवास्तव ,गिरीशकांत मिश्रा,अजय सिंह,गोपीशाह अजय मिश्रा, चैतन्य कुशरे, आषीश कोरी,आषीश विष्वकर्मा,वसुमुद्दीन, रेनू बुनकर, अर्चना भट्ट, रजनी गुप्ता, सीता शर्मा, कल्पना ठाकुर, प्रेमवती सोयाम, ममता पटेल,आदि ने माननीय मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रदेश के संविदा कर्मियों को नियमित किया जाए।

जबलपुर रेल मंडल से 13 कर्मचारी सेवा निवृत

जबलपुर यशभारत। जबलपुर रेल मंडल द्वारा रेलवे बोर्ड के आदेशानुसार मंडल रेल प्रबंधक विवेक शील के मार्गदर्शन एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता के निर्देशानुसार संरक्षा कोटि, एवं अन्य केटेगिरी से 13 कर्मचारियों को सेवानिवृत प्रदान की. सेवानिवृत हुए सभी कर्मचारियों को वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुबोध विश्वकर्मा एवं वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक अभिराम खरे आदि के सहयोग से 13 कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को निपटारा राशी का भुगतान एन.ई.एफ.टी. के माध्यम से किया गया.

यात्रियों के लिए राहत की खबर .चार गाडियों में लगेगे अतिरिक्त कोच

जबलपुर यशभारत। दीपावली त्यौहार के अवसर पर स्थानीय यात्रियों को रेलों से आवागमन में सुविधा प्रदान करने हेतु रेल प्रशासन ने मंडल की 04 यात्री गाडियों में अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया है. इस सम्बन्ध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्व रंजन ने बताया कि जबलपुर से सिंगरोली जाने वाली ट्रेन न. 11651, रीवा से जबलपुर चलने वाली ट्रेन. 22190 तथा जबलपुर से अंबिकापुर जाने वाली इंटर सिटी न. 11265 में 20 अक्तूबर से 27 अक्तूबर तक एक-एक अतिरिक्त कोच लगाया जायेगा इसके साथ ही रानी कमलापति स्टेशन से अधारताल (जबलपुर) के बीच चलने वाली ट्रेन . 22187 में भी 21 से 23 अक्तूबर के बीच सामान्य श्रेणी का एक अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा. वापसी यात्रा में भी उक्त गाडियों में यह कोच सम्बंधित रेलवे की पहल पर अटेच रहेगे.उक्त ट्रेनों में अतिरिक्त कोचों के लगने से दीपावली, भाई दूज के अवसर पर आने जाने वाले यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी. रेल प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि उचित टिकिट लेकर वे अपनी यात्रा करे जिससे उन्हें किसी तरह की कोई असुविधा न हो.

पमरे ने 12 करोड से अधिक का रेल राजस्व अर्जित किया

जबलपुर यशभारत। व्यवसाय विकास इकाई (बीडीयू) की स्थापना पमरे मुख्यालय और तीनों मंडलों में की गई है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा मिशन मोड के तहत माल ढुलाई को बेहद आकर्षक बनाने के लिए मालभाड़ा व्यापारियों को कई तरह की रियायतें/छूट एवं सुविधाएं भी दी जा रही हैं। जिससे व्यापारी अधिक से अधिक रेलवे की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। पमरे अपने परंपरागत माल ढुलाई के अलावा अन्य नए माल उत्पादकों को भी प्रोत्साहित कर रही है। परिणाम स्वरूप पमरे ने इस वित्तीय वर्ष के अप्रैल एवं सितम्बर 2022 तक यानी प्रथम छःमाही में बीडीयू के तहत नई स्ट्रीम फ्रेट लोडिंग से 12 करोड 44 लाख का रेल राजस्व अर्जित किया। जिसमें बीडीयू फ्रेट लोडिंग से अप्रैल में 2 करोड 30 लाख, मई में 1 करोड 50 लाख, जून में 6 करोड़ 60 लाख, जुलाई में लगभग 57 लाख, अगस्त लगभग 33 लाख एवं सितम्बर में 01 करोड़ 14 लाख रुपए का रेल राजस्व अर्जित किया।

तीनों मंडलों में यह बिजनेस हासिल किया

पुट्टी लोडिंग– जबलपुर मण्डल में मेहगांव गुड्स शेड से फतुहा (दानापुर मण्डल) के लिए 01 रैक की लोडिंग की गई, जिससे रेलवे को 12 लाख 97 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।फ्लाई ऐश लोडिंग भोपाल मण्डल के साइडिंग श्री सिंगाजी थर्मल पॉवर प्लांट से फुरसुंगी (पुणे मण्डल) और भिवण्डी रोड (मुंबई मण्डल) के लिए 05 रैक फ्लाई ऐश की लोडिंग की गई। इससे रेलवे को रुपये 97 लाख 90 हजार की आय प्राप्त हुआ।फ़ूड ग्रेन लोडिंग भोपाल मण्डल मेंसुखी सेवनिया गुड्स शेड से मीलविट्टान (मदुरई मण्डल) के लिए 01 मिनी रैक की लोडिंग की गई, जिससे रेलवे को 03 लाख 60 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

निगमाध्यक्ष रिंकू विज की पहल पर नगर निगम में सलाहकार समिति का गठन

जबलपुर,यशभारत। निगमाध्यक्ष रिंकू विज की पहल पर आज नगर निगम द्वारा सहालकार समिति का गठन किया गया, जिसमें वित्त एवं लेखा विभाग, जल कार्य तथा सीवरेज विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन विभाग, राजस्व विभाग, योजना एवं सूचना प्रौद्योगिक विभाग, शहरी गरीबी उपसमन विभाग, लोक निर्माण तथा उद्यान विभाग, विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग एवं यातायात एवं परिवहन विभाग के लिए निर्वाचित पार्षदों की मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 46 के प्रावधान के अन्तर्गत सलाहकार समितियों का गठन किया गया है, जो एम.आई.सी. में प्रस्तुत होने वाले प्रस्तावों पर अपना सुझाव देगें जिसको प्राथमिकता दी जायेगीं सलाहकार समिति के विभागवार सदस्यों की जानकारी निम्नानुसार है :

1.सलाहकार समिति वित्त एवं लेखा विभाग प्रभारी एम.आई.सी. शेखर सोनी
सदस्य श्रीमती लवलीन आनंद, जितेन्द्र कटारे, अविनाश चमकेल, अनुराग दाहिया, श्रीमती वर्षा सेन, श्रीमती पूजा श्रीराम पटेल, श्रीमती डिम्पल टिंकू टॉक, श्रीमती समरीन कुरैशी,, मोहम्मद अख्तर अंसारी।

2.जल कार्य तथा सीवरेज विभाग प्रभारी एम.आई.सी. श्रीमति एकता गुप्ता
सदस्य श्रीमती माधुरी सोनकर, सुनीलपुरी गोस्वामी, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, श्रीमती वर्षा बिरहा, श्याम कनौजिया, श्रीमती सावित्री शाह, श्रीमती अर्चना सिसोंदिया, श्रीमती प्रीति अमर रजक, हर्षित यादव।

3.सामान्य प्रशासन विभाग प्रभारी एम.आई.सी. श्रीमति हेमलता सिंह सिंगरौल
सदस्य महेश सिंह राजपूत, श्रीमती लक्ष्मी जय चक्रवर्ती, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, श्याम कनौजिया, श्रीमती सोनिया रंजीत सिंह, श्रीमती अर्चना सिसौदिया, जितेन्द्र कटारे, राकेश कुमार, अनुपम जैन।

4.स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग प्रभारी एम.आई.सी. श्री अमरीश मिश्रा
सदस्य श्रीमती लवलीन आनंद, श्रीमती माधुरी सोनकर, श्रीमती मालती चौधरी, श्रीमती कविता रैकवार, श्रीमती अंजू अनीता जाट, श्रीमती संतोषी ठाकुर, निशांत झारिया, सत्येन्द्र कुमार चौबे, श्रीमती ज्योति विनोद लोधी।

5.राजस्व विभाग प्रभारी एम.आई.सी. श्री जितेन्द्र सिंह ठाकुर
सदस्य वकील अहमद अंसारी, श्रीमती शारदा कुशवाहा, अतुल जैन दानी, जितेन्द्र कश्यप (गोवर्धन), अनुराग दाहिया, श्रीमती प्रतिभा भापकर, मथुरा प्रसाद चौधरी, मोहम्मद कलीम, श्रीमती पूजा श्रीराम पटेल।

6.योजना एवं सूचना प्रोद्योगिकी विभाग प्रभारी एम.आई.सी. श्रीमती शगुफ्ता उस्मानी गुड्डू नबी
सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, श्रीमती प्रतिभा भापकर, श्रीमती रंजना ठाकुर, शरद श्रीवास्तव, श्रीमती अंजू अनीता जाट, श्रीमती मधुबाला राजपूत, श्रीमती गार्गी राजकुमार यादव, श्रीमती अरूण संजय साहू, श्रीमती शमा परवीन।

7.शहरी गरीबी उपशमन विभाग प्रभारी एम.आई.सी. श्री गुलाम हुसैन
सदस्य श्रीमती मालती चौधरी, श्रीमती रेणू कोरी, विमल राय, दामोदर सोनी, श्रीमती रजनी साहू, श्रीमती मोनिका सिंग, श्रीमती रितु राजेश यादव, श्रीमती मुकीमा अंसारी, श्रीमती तुलसा लखन प्रजापति।

8.लोक निर्माण तथा उद्यान विभाग प्रभारी एम.आई.सी. श्री मनीष पटैल
सदस्य कमलेश अग्रवाल, महेश सिंह राजपूत, अनुराग साहू, अविनाश चकतेल, निशांत झारिया, डॉ. सुभाष तिवारी, कु. कृष्णा दास चौधरी, श्रीमती प्रिया संजय तिवारी, श्रीमती अदिति अतुल बाजपेई।

9.विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग प्रभारी एम.आई.सी. श्री दिनेश तामसेतवार
सदस्य श्रीमती निशा संजय राठौर, श्रीमती मोनिका सिंग, विवेकराम सोनकर, कृ. कृष्णा दास चौधरी, सुनीलपुरी गोस्वामी, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, श्रीमती रीना यादव, श्रीमती अंजना अग्रहरि, एवं अयोध्या तिवारी।

10.यातायात एवं परिवहन विभाग प्रभारी एम.आई.सी. श्रीमती लक्ष्मी गोंटिया
सदस्य राजकुमार पटैल, श्रीमती मधुवाला राजपूत, जितेन्द्र गोवर्धन, शरद श्रीवास्तव, श्रीमती अंजना अग्रहरि, योगेन्द्र उइके, मोहम्मद शफीक, प्रमोद पटैल, राम विशाल दुबे आदि।

खमरिया पुलिस ने दो पहिया वाहन चालकों को वितरित किए हेलमेट

जबलपुर। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने एवं जिला की यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन करने के लिए यातायात व्यवस्था में बाधक तथ्य जैसे सड़क पर अतिक्रमण, पार्किंग समस्या, रोड इंजिनियरिंग, ब्लेक स्पॉट, इत्यादि के बारे में सोमवार को खमरिया टीआई निरूपा पांडे द्वारा दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालकों को अवगत कराया गया। खमरिया टीआई निरूपा पांडे ने बताया कि यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने के लिए खमरिया पुलिस द्वारा किये गये कार्यो एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से चालकों को संक्षेप में जानकारी दी जा रही हैं । एवं खमरिया पुलिस द्वारा दोपहिया वाहन चालकों को जिन्होंने हेलमेट नहीं पहना हुआ था जिन्हें जन सहयोग के माध्यम से सैकड़ों हेलमेट वितरित किए गए। इस दौरान शिवकुमार धुर्वे, अंजू, आर.अजय, लतीश, आदि उपस्थित रहे।

कमिश्नर के आदेश का नहीं हो रहा पालन ,बंद पड़ा खदान का उत्पादन

अनूपपुर जिले के राजस्व की रीढ़ माने जाने वाली एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र की खुली खदान आमाडांड कोयला परियोजना का अचानक बंद हो जाना और जिला प्रशासन का आंख कान बंद कर लेना समझ से परे है तो वहीं दूसरी तरफ हजारों कालरी कर्मचारी और ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों का भविष्य दांव पर लगा हुआ है बात कमिश्नर और प्रदेश के मुख्यमंत्री तक पहुंची लेकिन मुख्यमंत्री के निर्देश और कमिश्नर के आदेश का पालन जिला प्रशासन करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है जिसके कारण से जमुना कोतमा क्षेत्र की आमाडांड खुली खदान परियोजना आज भी बंद पड़ी हुई है यदि यही आलम रहा तो यहां के भविष्य का सूर्यास्त हो जाएगा ।अनूपपुर । एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र की खुली खदान परियोजना आमाडांड मिट्टी हटाने का कार्य पिछले 12 अगस्त 2022 से और कोयला उत्पादन का कार्य 5 अक्टूबर 2022 से इस कारण बंद हो गया कि वहां पर कुछ स्थानीय पात्र और अपात्र किसान मिलकर खदान का संचालन करने में व्यवधान उत्पन्न कर रहे हैं पहले तो एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र का प्रबंधन ऐसे लोगों को समझाने का प्रयास किया लेकिन जब पानी सर से ऊपर निकल गया तो यह मामला जिला प्रशासन तक पहुंचा लेकिन मामले को लेकर जिला प्रशासन का सहयोग प्राप्त न होने के कारण खदान का संचालन पूरी तरह से बंद हो गया और अब यहां पर हजारों मजदूरों के ऊपर रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है तो वही एसईसीएल प्रबंधन पत्राचार से लेकर जिला प्रशासन से खदान संचालन किए जाने हेतु सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा कर रहा है लेकिन अभी तक इस ओर कोई पहल होती दिखाई नहीं दे रही है जिसके कारण से यहां से राज्य सरकार को प्राप्त होने वाला प्रतिदिन 29 लाख 87 हजार के राजस्व हानि हो रही है तो वही एसईसीएल प्रबंधन को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंच रहा है।

कमिश्नर का आदेश हुआ बेअसर

जमुना कोतमा क्षेत्र की आमाडांड खुली खदान परियोजना हेतु अधिग्रहित ग्राम पंचायत निमहा कुहका की 699.942 हेक्टेयर भूमि एवं 651 मकानों का अर्जन भू अर्जन वर्ष 2004 एवं 2006 में किया गया था ,40 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता की आमाडांड खुली खदान कोयला परियोजना संचालित है इस परियोजना के संचालन में कुछ पात्र तो कुछ अपात्र लोग मिलकर व्यवधान उत्पन्न कर रहे हैं जिसकी जानकारी शहडोल कमिश्नर राजीव शर्मा को मिलने के बाद उन्होंने अपने पत्र क्रमांक 3674 दिनांक 6/9 /2022 को अनूपपुर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को पत्र प्रेषित करते हुए खदान का संचालन शीघ्र करवाने और व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के आदेश जारी किए लेकिन कमिश्नर का आदेश का पालन आज तक होता दिखाई नहीं दे रहा है और खदान का संचालन पूरी तरह से बंद पड़ा हुआ है।

रेलवे उपकरण पेशकश को ऑफरिंग को मजबूत करते हुए ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड (JWL) स्टोन इंडिया लिमिटेड के एक सफल बिडर (बोलीदाता) के रूप में उभरा

एजेंसी। वैगन्स लिमिटेड पूर्ण गतिशीलता समाधान प्रदान करने वाली एक अग्रणी कंपनी को स्टोन इंडिया लिमिटेड के लेनदारों की समिति द्वारा एक सफल समाधान आवेदक के रूप में घोषित किया गया है, जो माननीय न्?यायनिर्णय प्राधिकरण द्वारा संकल्प योजना के आवश्यक अनुमोदन के अधीन है। स्टोन इंडिया भारतीय रेलवे के लिए रेलवे ब्रेक सिस्टम और अन्य इंजीनियरिंग उत्पादों का आपूर्तिकर्ता है।

स्टोन इंडिया लिमिटेड का अधिग्रहण JWL को भारतीय रेलवे के लिए बेस्?ट-इन-क्लास ऑफरिंग देने में अग्रणी बनाएगा

JWL के पास पहले से ही एक विस्तृत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो है और यह वन-स्टॉप मोबिलिटी समाधान प्रदाता है। स्टोन इंडिया के जुड़ने से ब्रेकिंग सिस्टम और अन्य इंजीनियरिंग उत्पादों सहित रेलवे के लिए JWL की पेशकश मजबूत होगी। दोनों संस्थाएं एक ही गतिविधि में लगी हुई हैं, स्टोन इंडिया लिमिटेड का अधिग्रहण कंपनी को प्राकृतिक तालमेल प्रदान करेगा। ÷श्री विवेक लोहिया, प्रबंध निदेशक, जुपिटर वैगन्स लिमिटेड ने कहा ÷स्टोन इंडिया जुपिटर वैगनों के लिए एक मजबूत और रणनीतिक रूप से फिट है और दोनों कंपनियों के संयोजन से महत्वपूर्ण मूल्य प्राप्त होगा। अधिग्रहण के परिणामस्वरूप समग्र पोर्टफोलियो ताकत में वृद्धि होगी। एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध होने और अब स्टोन इंडिया का अधिग्रहण करने की हमारी हालिया सफलता रणनीतिक व्यापार विस्तार का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब है। यह अधिग्रहण हमें अपनी विकास योजनाओं में तेजी लाने और भारतीय रेलवे के लिए पेशकशों में उत्कृष्टता हासिल करने में सक्षम बनाएगा।'

वीई कमर्शियल व्हीकल्स ने पूर्वी मध्यप्रदेश में अपने आयशर ट्रक और बस के ग्राहकों की सेवा के लिए शुरु की डीलरशिप

जबलपुर, यशभारत। वीई कमर्शियल व्हीकल्स की व्यवसायिक इकाई आयशर ट्रक्स एंड बसेस ने जबलपुरए मध्यप्रदेश में अपने नए 3एस ;सर्विस और स्पेयर डीलरशिप जीडी ट्रकिंग प्राइवेट लिमिटेड की शुरुआत की है। 47,000 वर्ग फुट में पूरी तरह से 10 सर्विस बे की सुविधा के साथ स्पेयर पाट्र्स और सर्विस टूल्स की एक व्यापक सूची से सुसज्जित है। छभ्34 जबलपुर बाईपास पर स्थित होने के कारणए डीलरशिप कृषि.उत्पादए फलों और सब्जियों के उद्योगों में काम करने वाले स्थानीय आयशर ग्राहकों और इस महत्वपूर्ण हब के माध्यम से आने.जाने वाले लंबी दूरी के ग्राहकों को सर्वोत्तम सहायता प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से स्थित है। आयशर जीडी ट्रकिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से क्षेत्र में ग्राहकों को 24x7 सपोर्ट और श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ सेवा अनुभव भी प्रदान करेगा। इस अवसर पर वीईसीवी के एमडी और

सीईओए श्री विनोद अग्रवाल ने बताया किए श्हम बेहद गर्व से मध्यप्रदेश को अपना घर बताते हैं और हम यहां अपनी मौजूदगी का विस्तार करने को लेकर बहुत उत्साहित है। मध्य प्रदेश की न्यायिक राजधानीए जबलपुरए वर्तमान में आर्थिक प्रगति के मार्ग पर एक अच्छी बढ़त दिखा रहा है और मुझे इस नई अत्याधुनिक डीलरशिप जीडी ट्रकिंग प्राइवेट लिमिटेड सुविधा का आयशर परिवार में स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है। यह डीलरशिप इस क्षेत्र में हमारे ग्राहकों के लिए बेहतर अपटाइम और लाभ सुनिश्चित करने के लिए एक बेहतर सेवा अनुभव प्रदान करने के हमारे प्रयास का हिस्सा है।

टीम इंडिया नहीं जाएगी पाकिस्तान अब PAK ने दी वर्ल्ड कप बायकॉट की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन और BCCI के सचिव जय शाह ने सोमवार को अगले एशिया कप को लेकर बड़ा अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। इसलिए टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर किसी अन्य देश में शिफ्ट कर दिया जाएगा। एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को मिली थी। उसे उम्मीद थी कि इस टूर्नामेंट के जरिए वह दुनिया की सबसे लोकप्रिय टीम (टीम इंडिया) को अपने घर में 15 साल बाद होस्ट कर सकेगा। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मालामाल बनता और उसके देश के ऊपर से डेंजरस होने का टैग पूरी तरह से हट जाता, लेकिन टीम न भेजने के भारत के फैसले ने उसके अरमानों पर पानी फेर दिया है। इसके बाद पाकिस्तान अपनी आदत के मुताबिक धमकी पर उतर आया है। उसकी ओर से आवाज आने लगी है कि अगर भारत एशिया कप के लिए टीम नहीं भेजता है तो हम अगले वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजेंगे। एशिया कप जुलाई-अगस्त में होना है और वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर में। पाकिस्तान की इस धमकी में कितना दम है? अगर भारत एशिया कप कप के लिए पाकिस्तान नहीं भी जाता है तो क्या पाकिस्तान की इतनी हैसियत है कि वह वर्ल्ड कप का बायकॉट करे दे?

पहले जान लेते हैं कि बौखलाया हुआ पाकिस्तान बोल क्या रहा है- न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड वर्ल्ड कप के बायकॉट की धमकी देने के साथ-साथ ICC और ACC का रोना भी रो रहा है। उसका कहना है कि इससे ICC और ACC को घाटा होगा। PCB के एक प्रवक्ता ने कहा कि अगले महीने मेलबर्न में होने वाली ICC बोर्ड की बैठक में इस मुद्दे को उठाएंगे। PTI की खबर में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट रमीज राजा, जय शाह के इस फैसले से काफी नाखुश हैं।

पाकिस्तान के बायकॉट को नहीं मिलेगा किसी का सपोर्ट- कोरोना पैंडेमिक से पहले टीम इंडिया को श्रीलंका का दौरा करना था। श्रीलंका बोर्ड को इस सीरीज के लिए स्पॉन्सर मिल गए थे, लेकिन लॉकडाउन के कारण ये सीरीज नहीं हो पाई। BCCI ने श्रीलंका बोर्ड से वादा किया कि बाद में टीम इंडिया जरूर श्रीलंका दौरे पर जाएगी और उसके घाटे की भरपाई करा देगी। टीम वाकई बाद में श्रीलंका गई और वहां सीरीज खेलकर आई। इसके बाद श्रीलंका बोर्ड ने BCCI को अपना बड़ा भाई बताया था।

सिर्फ श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड नहीं है जिसे आर्थिक रूप से अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए क्क्ष्टष्ठ के सपोर्ट की जरूरत होती है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे सहित तमाम क्रिकेट प्लेइंग कंट्रीज क्रिकेट के जरिए अच्छी-खासी कमाई के लिए भारत और BCCI पर डिपेंड रहते हैं। भारतीय टीम के एक दौरे से वे उतनी कमाई कर लेते हैं जितनी वे आम दौरों के जरिए दो से तीन साल में कमाते हैं। इसलिए अगर PCB इस मसले को ICC की राजनीति में लो जाता है तो उसे शायद ही किसी दूसरे बोर्ड का सपोर्ट मिलेगा। ICC टूर्नामेंट के बहिष्कार की वजह से उस पर बैन लगने का खतरा भी मंडराने लगेगा।

भारत का केस है काफी स्ट्रॉन्ग- भारतीय टीम अगर सुरक्षा कारणों का हवाला देकर पाकिस्तान जाने से इनकार करती है तो दुनिया का कोई भी देश इस फैसले पर सवाल नहीं उठा सकता है। भले ही पाकिस्तान ने हाल-फिलहाल ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीम को होस्ट किया हो, लेकिन वहां के अस्थिर हालात दुनिया में किसी से नहीं छिपे हैं। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की जन्मस्थली और शरणस्थली माना जाता है। इंग्लैंड ने भी कई बार दौरा कैंसिल करने के बाद आखिरकार पिछले महीने टीम भेजी थी। न्यूजीलैंड तो वहां वनडे मैच शुरू होने से आधा घंटा पहले सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए दौरा रद्द कर दिया था। भारत आसानी से पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधी खतरों को साबित कर सकता है। पाकिस्तान आज भी कश्मीर में लगातार आतंकवाद को प्रमोट कर रहा है। भारत इस आधार पर भी पाकिस्तान टीम भेजने से इनकार करने का हकदार है और दुनिया इसके लिए भारत पर सवाल नहीं उठा सकती।

पाकिस्तान के न होने से टूर्नामेंट के फाइनेंस पर कोई असर नहीं पड़ेगा- पाकिस्तान में दुनियाभर के करीब 10त्न क्रिकेट फैंस रहते हैं। फैंस के लिहाज से भारत की हिस्सेदारी करीब 60त्न है। लेकिन क्रिकेट फाइनेंस की बात करें तो भारत ग्लोबल अर्निंग में 80त्न कंट्रीब्यूशन देता है, वहीं पाकिस्तान महज 5त्न। लिहाजा पाकिस्तान अगर वर्ल्ड कप नहीं भी खेलता है तो भी टूर्नामेंट की वित्तीय स्थिति पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। ओवरऑल हैसियत के मामले में तो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड BCCI के सामने बिल्कुल भी नहीं टिकता। BCCI पाकिस्तान के बोर्ड से 36 गुना ज्यादा अमीर है। BCCI की वैल्यू 15, 521 करोड़ है। वहीं, PCB की वैल्यू महज 427 करोड़ रुपए है।

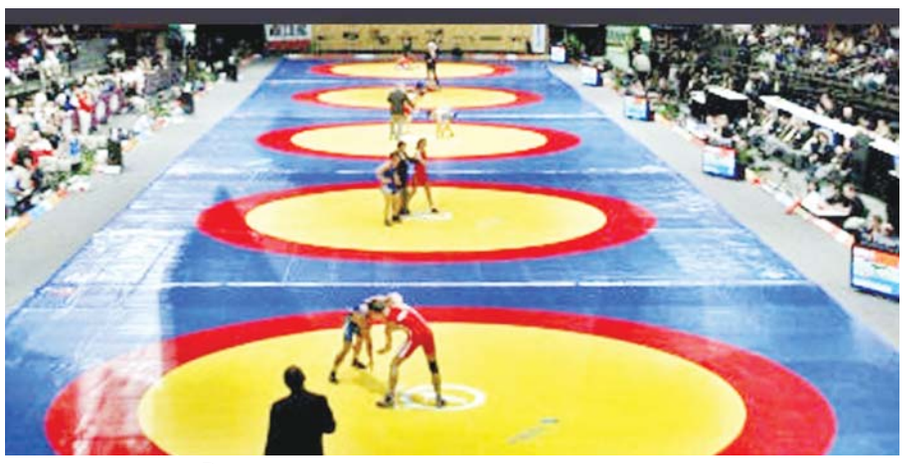

विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं ले पाएंगे 21 भारतीय पहलवान, स्पेन ने अजीब कारण से किया वीजा खारिज

नई दिल्ली,ईएमएस। स्पेन के दूतावास ने एक अजीबोगरीब फैसला करते हुए उन 21 भारतीय पहलवानों को वीजा देने से इनकार कर दिया, जिन्हें पोंटेवेदरा में अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में हिस्सा लेना था। राष्ट्रीय महासंघ ने सोमवार को बताया कि वीजा आवेदन केवल इसलिए खारिज कर दिया गया, क्योंकि उन्हें संदेह है कि खिलाड़ी वीजा अवधि समाप्त होने तक देश नहीं छोड़ेंगे। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने सोमवार से शुरू हुई चैंपियनशिप के लिए 30 सदस्यीय टीम चुनी थी, लेकिन केवल नौ खिलाड़ियों को ही वीजा दिया गया। जो भारतीय पहलवान चैंपियनशिप में भाग लेने से चूक गए उनमें अंडर 20 महिला विश्व चैंपियन अंतिम पंघाल भी शामिल है। डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर ने पीटीआई से कहा, च्ज्हमने इस तरह की स्थिति का सामना पहले कभी नहीं किया था। भारत सरकार का मंजूरी पत्र और विश्व कुश्ती की संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू का निमंत्रण पत्र दिखाने के बावजूद हमारे पहलवानों को तुच्छ आधार पर वीजा नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, च्ज्हमें आज शाम को नामंजूरी का पत्र मिला जब हमने जल्द से जल्द पासपोर्ट वापस करने का आग्रह किया था। यह वास्तव में अजीबोगरीब है। यह वास्तव में हमारी समझ से परे है कि अधिकारी इस नतीजे पर कैसे पहुंचे कि भारतीय पहलवान और कोच वापस भारत नहीं लौटेंगे। डब्ल्यूएफआई ने अपने नौ कोच के लिए भी वीजा आवेदन किया था, लेकिन केवल छह को ही वीजा मिला। फ्रीस्टाइल के 10 पहलवानों में से केवल अमन (57 किग्रा) को वीजा मिला, जबकि नौ अन्य के आवेदन खारिज कर दिए गए। दिलचस्प बात यह है कि फ्रीस्टाइल के तीन कोच को वीजा दिया गया। छह ग्रीको रोमन पहलवान और महिलाओं में से केवल अंकुश (50 किग्रा) और मानसी (59 किग्रा) को ही वीजा मिला। तोमर ने कहा, च्ज्अब हम एक पहलवान के लिए तीन कोच कैसे भेज सकते हैं, इसलिए हम जगमंदर सिंह को अमन के साथ भेज रहे हैं। छह ग्रीको रोमन पहलवान पहले ही स्पेन पहुंच चुके हैं और दो महिला पहलवान रविवार को रवाना हो गई हैं।ज्महामुकाबले की फाइनल तैयारी, क्या टीम इंडिया खोज पाएगी इन सवालों का जवाब? भारत बनाम पाकिस्तान महामुकाबले की फाइनल तैयारी टीम इंडिया को आज करनी है और क्या टीम इंडिया कुछ सवालों का जवाब खोजने में सफल होगी, क्योंकि कई खिलाड़ी अभी भी असमंजस की स्थिति पैदा कर रहे हैं।

गुपचुप शादी से गुस्से में अपनी पैंट फाड़ने तक, सनी देओल के किस्से

मुंबई, एजेंसी। ये ढाई किलो का हाथ जब किसी पर पड़ता है तो आदमी उठता नहीं, उठ जाता है..., दूध मांगोगे तो खीर देंगे, कश्मीर मांगोगे तो चीर देंगे...ज, बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल (Sunny Deol) के नाम से ऐसे ही कुछ दमदार डायलॉग्स सबसे पहले जेहन में आते हैं। सनी देओल हिंदी सिनेमा के एक ऐसे एक्टर रहे हैं, जो कभी भी च्कथित आइडल हीरोज् वाली इमेज में नहीं जचे लेकिन अपनी बेहतरीन अदाकारी, जोरदार एक्शन और ऑफस्क्रीन दिलकश मिजाज से हमेशा फैन्स के दिलों को जीतते रहे। सनी देओल आज अपना 65वां जन्मदिन मना रहे हैं, सनी देओल का जन्म बॉलीवुड के च्ही मैनज कहलाने वाले अभिनेता धर्मेंद्र और प्रकाश कौर के घर, 19 अक्टूबर 1965 को हुआ था। सनी देओल का असली नाम अजय सिंह देओल था, लेकिन धीरे- धीरे लोग उन्हें सनी बुलाने लगे और बाद में यही नाम फेमस हो गया। सनी देओल भी शुरू से ही एक्टर बनना चाहते थे, ऐसे में उन्हें एक्टिंग की पढ़ाई के लिए धर्मेंद्र ने इंग्लैंड भेज दिया। एक्टिंग की पढ़ाई पूरी होने के बाद सनी वापस आए और 1983 में फिल्म बेताब से डेब्यू किया। फिल्म के लिए सनी को दर्शकों ने पसंद किया औ साथ ही उन्हें फिल्मफेयर के बेस्ट एक्टर के लिए नॉमिनेट भी किया गया।

फिल्मी है सनी की शादी की स्टोरी

सनी देओल की शादी का किस्सा भी किसी फिल्मी स्टोरी से कम नहीं है। कहा जाता है कि सनी देओल की सगाई 14 साल की उम्र में ही पूजा से हो गई थी, वहीं जब पूजा की फैमिली को पता लगा कि सनी देओल एक्टर बनने वाले हैं तो उन्हें लगा कि हीरो बनने के बाद सनी, पूजा को छोड़ देंगे। ऐसे में पूजा को वापस उनके परिवार ने इंग्लैंड बुला लिया। धर्मेंद्र कहते थे कि फिल्म बेताब की रिलीज के बाद सनी और पूजा की शादी करवा देंगे, लेकिन पूजा के परिवाल वालों को विश्वास नहीं होता था। ऐसे में फिल्म की रिलीज से पहले ही इंग्लैंड में गुपचुप तरीके से पूजा और सनी की शादी हुई। ताकि इसका असर सनी के करियर पर न पड़े। हालांकि फिल्म रिलीज के बाद परिजनों और दोस्तों के लिए दोबारा शादी करवाई गई थी।

शाहरुख और सनी की टकरार

शाहरुख खान और सनी देओल फिल्म डर में साथ नजर आए थे। फिल्म में सनी हीरो थे और शाहरुख विलेन, लेकिन एक ओर जहां शाहरुख का स्क्रीन टाइम ज्यादा था तो दूसरी ओर दर्शकों ने भी शाहरुख खान को काफी ज्यादा पसंद किया। कहा जाता है कि इस ही बात से सनी गुस्सा हो गए और एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि हीरो को अपनी मर्यादा में रहना चाहिए, पैसे लेकर किसी की भी शादी में नहीं नाचना चाहिए। याद दिला दें कि उस वक्त शाहरुख- अक्षय सहित कुछ सितारे फीस लेकर शादी या अन्य पार्टी इवेंट्स में डांस करते थे। सनी की बात को शाहरुख पर तंज कहा गया था। कहा जाता है कि फिल्म को लेकर ही सनी देओल की यश चोपड़ा से बहस हो गई थी और अपने गुस्सो को काबू करने के लिए पॉकेट में हाथ डाले सनी ने अपनी ही पैंट फाड़ दी थी।

ट्विटर पर उर्वशी रौतेला ने ऐसे दिया फैन्स को धोखा, ट्रोल्स ने लगा दी एक्ट्रेस की क्लास

मुंबई, ईएमएस। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला बीते कुछ दिनों से लगातार खबरों में बनी हुई हैं। एक ओर जहां उर्वशी के फोटोज और वीडियोज वायरल हो रहे हैं तो दूसरी ओर उन्हें काफी ट्रोल भी किया जा रहा है। उर्वशी को लेकर सोशल मीडिया पर काफी मीम्स भी वायरल हो चुके हैं। हाल ही में उनका इसको लेकर दुख भी छलका था, लेकिन इस बीच उन्होंने फिर से कुछ ऐसा कर दिया है कि वो ट्रोल हो रही हैं। उर्वशी रौतेला ने अपने फैन्स को धोखा दिया है, जिस वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है।

#AskUrvashi पर नहीं दिया जवाब

दरअसल करीब 5-6 घंटे पहले उर्वशी रौतेला ने ट्विटर पर एक ट्वीट किया था। अपने ट्वीट में उर्वशी ने #AskUrvashi सेशन का जिक्र किया था। यानी इस हैशटैग के साथ उर्वशी अपने फैन्स के सवालों के जवाब देतीं, हालांकि सभी सवाल तो नहीं लेकिन कुछ चुनिंदा। लेकिन उर्वशी ने किसी भी फैन के एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया है, जिसकी वजह से अब उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। एक ओर फैन्स का कहना है कि उन्हें धोखा मिला है तो दूसरी ओर अन्य ट्विटर यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है। उर्वशी पर एक बार फिर मीम्स वायरल हो रहे हैं।

स्पीच चुराने का लगा था आरोप

याद दिला दें कि इस महीने की शुरुआत में उर्वशी रौतेला का TED& वीडियो सामने आया था, हालांकि उस वक्त तो उसकी ज्यादा चर्चा नहीं हुई लेकिन अब उर्वशी पर स्पीच चोरी करने के आरोप लग रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स काक हना है कि न्होंने TED& टॉक में दी अपनी स्पीच को कॉपी किया है। कहा जा रहा है कि उर्वशी की स्पीच इसाबेल एलेंडे, चिमामांडा न्गोजी अदिची, डेनियल एच पिंक, ब्रेन ब्राउन जैसे कई बड़े स्पीकर्स की कॉपी है।

पोस्ट कॉपी करने का भी लगा था आरोप

बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं है जब उर्वशी ऐसे किसी आरोप के चलते खबरों में हैं। इससे पहले सितंबर 2018 में उर्वशी रौतेला एक पोस्ट को कॉपी करने की वजह से चर्चा में थीं। उर्वशी ने अपना एक इंस्टा पोस्ट, सुपरमॉडल गीगी हदीद के पोस्ट को हुबहू कॉपी किया था। हालांकि ट्रोल होने के बाद उर्वशी ने इसे अपनी टीम की गलती बताया था।

करीम बेनजेमा और एलेक्सिया पुतेलास ने जीते Ballon d'Or अवॉर्ड

पेरिस, एजेंसी। रियल मैड्रिड के साथ पिछले सत्र में चैंपियन्स लीग और स्पेनिश लीग खिताब जीतने के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले स्टार फुटबॉलर करीम बेनजेमा ने पहली बार पुरुष वर्ग का Ballon d'Or खिताब जीता। स्पेन की एलेक्सिया पुतेलास ने बार्सीलोना की ओर से एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सोमवार को लगातार दूसरे साल महिलाओं की ट्रॉफी जीती। पिछला सत्र मैड्रिड की ओर से बेनजेमा का सर्वश्रेष्ठ रहा। वह चैंपियन्स लीग और स्पेनिश लीग दोनों में शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने मैड्रिड के लिए 44 गोल दागे, जिसमें से 15 गोल उन्होंने यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता चैंपियन्स लीग में किए। उन्होंने क्लब की ओर से सबसे अधिक गोल दागने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद राल गोंजालेज की बराबरी की। टीम की ओर से सबसे अधिक गोल दागने का रिकॉर्ड दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम दर्ज है। 34 साल के बेनजेमा पहली बार 1956 में दिए गए इस पुरस्कार को हासिल करने वाले स्टेनली मैथ्यूज के बाद सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। बेनजेमा ने कहा, च्ज्मेरे लिए उम्र सिर्फ एक संख्या है। खिलाड़ी अब अधिक समय तक खेलते हैं और मेरे अंदर अब भी खेलने की इच्छा शक्ति है। इसी इच्छा शक्ति के कारण ही मैंने कभी हार नहीं मानी। बेनजेमा ने इस पुरस्कार की दौड़ में सादियो माने और मैनचेस्टर सिटी के केविन डि ब्रून को पछाड़ा। माने पिछले सत्र में लीवरपूल की ओर से खेले थे लेकिन इस सत्र के लिए बायर्न म्यूनिख के साथ जुड़े। पहली बार Ballon d'Or पुरस्कार पिछले सत्र की उपलब्धियों के आधार पर दिया गया। इससे पहले कैलेंडर वर्ष में प्रदर्शन के आधार पर यह पुरस्कार दिया जाता था। यह पुरस्कार फ्रांस की फुटबॉल मैग्जीन Ballon d'Or देती है। पुरुष वर्ग में यह पुरस्कार 66 वर्षों से दिया जा रहा है। महिलाओं की ट्रॉफी की शुरुआत 2018 में हुई लेकिन 2020 में महामारी के कारण इसे रद्द कर दिया गया। दूसरी तरफ एलेक्सिया ने पिछले सत्र में 42 गोल दागे जबकि 22 गोल करने में मदद की। वह दूसरी बार यह पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं।

परिणीति ने तुर्की में खराब मौसम में की शूटिंग

नई दिल्ली,ईएमएस। एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा तुर्की में खराब मौसम और दस डिग्री से कम तापमान में फिल्म की शूटिंग के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ÷एक द्रश्य था जिसे एक नाव पर शूट किया गया था। शूटिंग के दौरान, यह लगभग -10 से -11 डिग्री था और पूरी यूनिट पूरी तरह से जैकेट, मफलर और मास्क से ढकी हुई थी, जबकि मुझे एक काली आधी-आस्तीन की टी-शर्ट दि गयी थी।÷ इश्कजादे की अभिनेत्री ने अपने सह-कलाकार हार्डी संधू के साथ अपनी ऑफ-स्क्रीन बॉन्डिंग और दोस्ती के बारे में कहा, जब हार्डी लोकेशन पर आए, तो मैंने उनसे जैकेट और हीट पैड लाने का अनुरोध किया। हमारा बंधन और मजबूत हो गया क्योंकि हम दोनों ठड़ से जम रहे थे और इस तरह हम शूटिंग के दौरान इतने करीबी दोस्त बन गए। परिणीति, जो शुद्ध देसी रोमांस, हंसी तो फंसी और अन्य फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं, ने भी एक एक्शन फिल्म करने के बारे में खुल कर बात की और साथ ही यह भी कहा कि वह खुद को रोमांटिक शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती हैं।

खुशियों का दीपोत्सव

शाम 4 बजकर 46 मिनिट के बाद स्थिर लग्न गौधूलि प्रदोष व्यापिनी अमावस्या का शुभ मुहूर्त

दीपोत्सव महापर्व की अनंत महिमा है। पांच दिवसीय त्योहार में आम जन मानस को सपनों के पंख लगते है। तो वहीं माँ आद्यशक्ति महालक्ष्मी का घर में शुभागमन के साथ ही साथ धनतेरस, परमा, रुप चौदस का अत्यंत महत्व है। इस बार दीपावली का शुभ मुहूर्त शाम 4 बजकर 46 मिनिट के बाद स्थिर लग्न में है। इस मुहूर्त में पूजन करना शास्त्र सम्मत और विशेष फलदाई है। जिससे सभी की मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। अरुणोदय पंचांग के रचयिता और प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं. लोकेश व्यास ने यशभारत जीवन ज्योतिष में चर्चा के दौरान यशभारत के संस्थापक आशीष शुक्ला से महत्वपूर्ण जानकारी सांझा की और दीपोत्सव पर्व पर विस्तार से चर्चा की।

यश भारत जीवन ज्योतिष

वीडियो देखें यश भारत न्यूज चैनल व यश भारत के सभी सोशल मीडिया प्लेट फार्म पर

यशभारत के संस्थापक आशीष शुक्ला से चर्चा करते हुए पं. लोकेश व्यास ने बताया कि पांच दिवसीय महापर्व का विशेष महत्व है। विशेष संयोग में पर्व की शुरुआत धनतेरस से होती है।

1-धनतेरस-

दीपावली के महापर्व की शुरूआत कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन से हो जाती है। इस दिन धनतेरस का पर्व मनाया जाता है। धनतेरस पर आरोग्य और चिकित्सा विज्ञान के देवता भगवान धनवंतरि के पूजन का विधान है।

यदि संधि विच्छेद करें तो धन का 13 गुना बढ़ना ही धनत्रयोदशी है। सभी लोग जानते है कि इस दिन बर्तन खरीदने की परंपरा है। जिसका सबसे बड़ा कारण है कि भगवान विष्णु के अंशावतार श्री धनवंतरि अमृत कलश लेकर, समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुए थे। अमृत कलश को देखकर ही आम जन मानस में बर्तन खरीदने की परंपरा शुरु हुई। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन भगवान धनवंतरि आए। शुरुआती दौर में चांदी के बर्तन खरीदने का महत्व है। जो चांदी के बतज़न खरीदते है उन्हें पूरे साल चंद्रमा से शीतलता मिलती है। इसके साथ सामान्य बर्तन भी खरीदे जाते है।

2-नरक चौदस-

नरक चौदस को छोटी दीपावली के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने नरकासुर नामक राक्षस का वध किया था, उसी के नाम से इस दिन को नरक चौदस कहा जाता है। इसे अनेक नामों से जानते है। जैसे पश्चिम बंगाल उड़ीसा में काली चौदस आदि। इस विशेष दिन यदि कोई श्रद्धा के साथ व्रत करता है तो उसे यमराज का भय नहीं रहता। जिससे जुड़ी कथा है कि रंति नामक के बहुत प्रतापी राजा हुए और जब उनको यमराज लेने आया तो उन्होंने अनुनय विनय किया और पूछा आखिर उन्होंने क्या पाप किया, जिसके कारण उन्हें नर्क में जाना पड़ेगा। यमराज ने प्रसन्न होकर एक वर्ष का समय दिया। जिसके बाद राजन ने ऋषियों से विमर्श किया। जिसके बाद उन्हें ज्ञात हुआ कि उनके द्वार से एक ब्राम्हण भूखा लौट गया था, जिस कारण उन्हें यह पाप लगा। जिसके बाद उन्होंने नरक चौदस का व्रत किया और भयमुक्त हुए।

यश भारत जीवन ज्योतिष में पं. लोकेश व्यास

- यमराज को करते है दीपक दान

इस विशेष दिवस यदि घर का मुखिया यमराज को दीपक दान करें तो यमराज उनके घर में प्रवेश नहीं करता। जिसमें विधि स्वरुप, घर का मुखिया पूरे घर में दीपक घुमाकर एकांत में दीपक जलावे और उस दीपक को घर का कोई सदस्य ना देखे, तो विशेष फ लदाई है।

3-दीपावली-

दीपावली के पांच दिन के महोत्सव का सबसे महत्वपूर्ण पर्व कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। दीपावली पर गणेश-लक्ष्मी के पूजन का विधान है। इसके साथ ही इस दिन भगवान श्री राम के लंका विजय के बाद अयोध्या वापस लौटने के त्योहार के रूप में भी मनाया जाता है। जिसमें कथा है कि समुद्र मंथन के दौरान माता लक्ष्मी भी आठवें रत्न के रूप में शरद पूर्णिमा के दिन प्रगट हुई और भगवान विष्णु का वरण किया और दीपावली के दिन बैकुंठ में प्रवेश किया। जिस कारण दीपोत्सव पर्व में माता महालक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है।

4-गोवर्धन पूजा या अन्नकूट-

दीपावली के अगले दिन प्रतिपदा पर गोवर्धन पूजा या अन्नकूट का त्योहार मनाने का विधान है। ये पर्व भगवान कृष्ण के द्वारा गोवर्धन पर्वत उठा कर मथुरावसियों की रक्षा करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।परमा का विशेष महत्व है। साथ ही परंपराओं के अनुसार इस दिन लोग अपने कुलदेवता की भी विशेष आराधना करते है। इस वर्ष सूर्य ग्रहण के कारण अन्नकूट अगले दिन मनाया जाएगा।

5- भाई दूज-

भैय्या दूज या यम द्वितिया का पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन यमुना स्नान का विशेष महत्व होता है। जिसमें कथा है बहनों द्वारा भाइयों को तिलक करके उनकी लंबी आयु की कामना की जाती है।

यह है विशेष शुभ मुहूर्त

प्रदोष व्यापिनी अमावस्या में महालक्ष्मी पूजन शास्त्र सम्मत है। यह मुहूर्त सोमवार 24 अक्टूबर को शाम 4 बजकर 46 मिनिट के बाद रात्रि अंत तक लक्ष्मी कुबेर पूजन के लिए शुभ मुहूर्त है। विशेष शुभ मुहूर्त शाम 4 बजकर 46 मिनिट से रात्रि 8 बजकर 55 मिनिट तक गोधूली प्रदोषकाल और स्थिर लग्न का शुभ मुहूर्त रहेगा। वहीं, सामान्य शुभ मुहूर्त रात्रि 8 बजकर 55 मिनिट से रात्रि 1 बजकर 24 मिनिट तक रहेगा। 1 बजकर 24 मिनिट से रात्रि 3 बजकर 36 मिनिट तक स्थिर लग्न का विशेष शुभ मुहूर्त है।

मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी उत्तरपुस्तिका गीली होने का मामला

कौन गीली कर गया आंसरसीट, जांच हुई पर पता नहीं चला

जबलपुर, यशभारत। मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के दो कॉलेजों की उत्तरपुस्तिका गीली का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। यूनिवर्सिटी ने पूरे मामले की जांच कराकर रिपोर्ट राजभवन भेज दी है लेकिन आंसरशीट कैसे गीली हुई इसका पता अभी तक नहीं चला। इधर यूनिविर्सटी के ईसी मेम्बर इस बात को लेकर हैरान है कि विवि ने जांच करा ली लेकिन उन तक खबर नहीं पहुंची।

ईसी बैठक के मिनिट्स जारी नहीं होने को लेकर बवाल

किससे और कैसे जांच करा ली गई क्योंकि ईसी की बैठक में जो मिनिटस तैयार हुए थे उसमें तीन सदस्यीय जांच कमेटी बनाने को कहा गया था लेकिन आज तक विवि ने बैठक के मिनिटस जारी नहीं किए।

इसी बैठक में जांच का जिक्र नहीं किया

बताया जा रहा है कि कॉपियां भीगने का मामला तब पकड़ में आया, जब यह कॉपियां डिजिटल स्कैनिंग के लिए संबंधित शाखा में पहुंची। संबंधित शाखा के कर्मचारी ने इसकी सूचना कुलपति ऑफिस को दी तो उन्होंने डीन मेडिकल कॉलेज जबलपुर और एक अन्य सीनियर प्रोफेसर की कमेटी बनाकर जांच शुरू करवा दी। लेकिन जांच रिपोर्ट ईसी की बैठक में नहीं रखी। इस जांच में सदस्यों ने पाया कि कुल 6 कॉपियां ही भीगी हुई थी। जबकि इस मामले में लापरवाही को लेकर कानूनी कारवाई की जानी थी।

6 कापियां गीली हुई, जांच रिपोर्ट भेज दी

कुलसचिव डॉ.पुष्पराज बघेल ने बताया कि 6 कापियां गीली हुई थी जिसकी जांच पूरी कराके रिपोर्ट भोपाल मुख्यालय भेज दी है। कापियां कैसे गीली हुई इसका पता लगाया जा रहा है। एफआईआर इसलिए नहीं कराई गई है क्योंकि अभी अपराध साबित नहीं हुआ है।

कौन सी और कैसी जांच, नहीं मालूम

मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के ईसी मेम्बर सुनील राठौर ने बताया कि ईसी की बैठक में तीन सदस्यीय कमेटी से जांच कराने का प्रस्ताव पास हुआ है लेकिन विवि कौन से और कैसे जांच करा ली इसकी जानकारी नहीं है। कुलपति ने ईसी बैठक क मिनिटस भी जारी नहीं किए हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव | मध्यप्रदेश शासन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

आपका राशन आपका अधिकार

वन नेशन वन राशन कार्ड ONORC के तहत
eKYC कर और PoS में मोबाइल नम्बर दर्ज कर

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

राशन की कालाबाजारी के समूल उन्मूलन हेतु अभियान

19 अक्टूबर - 30 नवम्बर, 2022

समूचे देश में किसी भी शासकीय उचित मूल्य दुकान से राशन प्राप्त करने का आसान उपाय

- उचित मूल्य दुकान पर आधार कार्ड ले जाकर परिवार के सभी सदस्यों का नि:शुल्क eKYC सत्यापन करायें।
- बुजुर्ग, दिव्यांग और अशक्त व्यक्तियों का eKYC सत्यापन घर पर पहुंचकर करने की नि:शुल्क सुविधा।
- eKYC सत्यापन होने पर वन नेशन वन राशन कार्ड (ONORC) के तहत समूचे देश में किसी भी शासकीय उचित मूल्य दुकान से राशन प्राप्त करने की सुविधा।

सही मात्रा में राशन प्राप्त करने के लिए तीन आसान उपाय

- PoS मशीन पर अंगूठा लगाते समय उसकी आवाज सुनें और मिलान करें कि आपके नाम से कितनी मात्रा में राशन जारी हुआ है।
- राशन प्राप्त करने पर PoS मशीन से निकलने वाली पर्ची प्राप्त कर उसमें अंकित राशन की मात्रा का मिलान करें।
- PoS मशीन पर अपने मोबाइल नम्बर की सही एंट्री करायें और प्राप्त राशन की मात्रा का मिलान मोबाइल पर प्राप्त होने वाले SMS से करें।

D-11121-22

राशन प्राप्त न होने या सही मात्रा में न मिलने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन 181 पर अवश्य दर्ज करायें

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2022

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085
डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)